सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 264 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 07 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

ट्रक में पीछे से जा घुसी तेज रफ्तार एक्सयूवी कार, पांच लोगों की मौत

मैहर। सोमवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर भीषण सड़क घटित हुआ है। मध्यप्रदेश के मैहर जिले के देहात थाना क्षेत्र के ग्राम रिगरा के पास तेज रफ्तार से दौड़ रही एक एक्सयूवी कार सामने चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसमें सवार छह युवक कार के अंदर ही बुरी तरह फंस गए। हादसे में पांच युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी युवक जन्मदिन समारोह में शामिल होकर मैहर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112, हाईवे पेट्रोलिंग टीम, 108 एंबुलेंस और राष्ट्रीय राजमार्ग एंबुलेंस सेवा 1033 तत्काल मौके पर पहुंचीं। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से काफी देर तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। मृतकों की पहचान अंकुर पटेल, मृदुन पटेल, विशेष पटेल, हरिशंकर पटेल तथा एक अन्य परिजन के रूप में हुई है। सभी मृतक पूर्व विधायक लालजी पटेल के परिवार से जुड़े बताए जा रहे हैं।

शराब के लिए पैसे देने से मना करने पर बेटे ने कुल्हाड़ी से वारकर की दी हत्या

कांकेर। जिले के कांकेर थाना क्षेत्र के ग्राम व्यासकोंगेरा पंचायत के फरसीपारा गांव में एक शराबी बेटे ने पैसे को लेकर हुए विवाद के बाद अपनी ही मां को कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। मामले की जानकारी देते हुए कांकेर थाना प्रभारी जितेंद्र साहू ने बताया कि व्यासकोंगेरा पंचायत के फरसीपारा गांव में रहने वाले शराबी बेटा भीखम लाल उसेंडी ने अपनी मां बुधियारिन उसेंडी 61 वर्ष से सोमवार को शराब के लिए पैसे की मांग की। मां ने पैसे देने के लिए मना कर दिया। इसी बात से नाराज बेटे ने अपने घर में रखे कुल्हाड़ी से मां के ऊपर हमला कर दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां महिला ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

यूपी एसटीएफने एक लाख के इनामी कुख्यात विक्की को किया ढेर

कानपुर। यूपी के अंबेडकरनगर में मंगलवार तड़के यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में एक लाख के इनामी बदमाश को ढेर कर दिया। इसकी पहचान विक्की उर्फ आसिफ अली पुत्र मजहर हुसैन उर्फ बाबू अली के रूप में हुई है। यह कानपुर नगर के बिल्हौर थाना क्षेत्र के धुरैथा मकरनपुर गांव का रहने वाला था। मुठभेड़ तड़के करीब 4: 00 बजे बेवाना थाना इलाके के जगदीशपुर मुस्लिमपुर के निकट हुई। बताया गया कि विक्की उर्फ आसिफ अली क्षेत्र में दहशत का पर्याय बना हुआ था। इस पर हत्या और लूट समेत 25 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। यह आठ साल से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था।

पद्म विभूषण तीजन बाई को छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार मुक्ताकाशी मंच से देंगे संगीतमय श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं मंत्रीगण, सांसद व विधायक होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडवानी गायिका पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई को संस्कृति विभाग द्वारा संगीतमय श्रद्धांजलि दी जाएगी। यह कार्यक्रम 8 जुलाई दोपहर 2 बजे महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, स्थित मुक्ताकाशी मंच से आयोजित होगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित लोक कलाकार अपनी-अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से उस महान विभूति को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

यह आयोजन केवल एक श्रद्धांजलि समारोह नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के उस स्वर्णिम अध्याय को नमन है, जिसे डॉ. श्रीमती तीजन बाई ने अपने संपूर्ण जीवन की साधना से रचा।इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल सहित मंत्री, सांसद, विधायकों के साथ छत्तीसगढ़ के पद्मश्री एवं राज्य अलंकरण से सम्मानित कलाकार, साहित्यकार, संस्कृति कर्मी, कला प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

17 से अधिक देशों में पंडवानी की प्रस्तुति

डॉ. तीजन बाई ने 17 से अधिक देशों में पंडवानी की प्रस्तुति देकर न केवल इस लोककला को वैश्विक पहचान दिलाई। वे विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान बन गईं। उनकी अनुपम कला साधना के लिए उन्हें पद्मश्री (1988), संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1995), पद्मभूषण (2003), जापान का प्रतिष्ठित फुकुओका पुरस्कार (2018), पद्मविभूषण (2019) तथा डी.लिट. (मानद उपाधि) सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले। इन सम्मानों ने उनके गौरवशाली सांस्कृतिक योगदान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मान्यता प्रदान की। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह सांगीतिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम वास्तव में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण है। लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से उनकी कला साधना, संघर्ष और पंडवानी की गौरवशाली परंपरा को साकार करेंगे।

5 जुलाई को हुआ था निधन

पद्मविभूषण तीजन बाई का निधन 5 जुलाई 2026 को हुआ। उनके निधन के साथ ही भारतीय लोककला का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय समाप्त हुआ, जिसने पंडवानी को नई प्रतिष्ठा, नई पहचान और वैश्विक सम्मान दिलाया। 24 अप्रैल 1956 को दुर्ग जिले के गनियारी गांव में जन्मी तीजन बाई का बचपन अत्यंत साधारण परिस्थितियों में बीता। महज 13 वर्ष की आयु में उन्होंने अपना पहला सार्वजनिक मंच प्रदर्शन किया और उसी समय यह संकल्प लिया कि वे पंडवानी को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाएंगी। प्रख्यात रंगकर्मी हबीब तनवीर ने उनकी असाधारण प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारी बारिश के बीच बिजली विभाग अलर्ट हादसों से बचने जारी की गई एडवाइजरी

■ **बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने विशेष सावधानी बरतने की अपील**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश और करंट लगने की घटनाओं को देखते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने सुरक्षा संबंधी एडवाइजरी जारी की है। कंपनी ने कहा है कि थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों एवं अन्य विद्युत उपकरणों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें। यदि आंधी-तूफान या बारिश के दौरान बिजली के खंभे, तार अथवा अन्य उपकरण क्षतिग्रस्त दिखाई दें, तो इसकी सूचना तत्काल कंपनी के टोल-फ्री नंबर 1912, मोर बिजली ऐप अथवा निकटतम वितरण केंद्र या जोन कार्यालय में दें।

बारिश के दौरान बिजली के खंभों, तारों और ट्रांसफार्मरों से दूर रहें। जहां विद्युत तार या उपकरण मौजूद हों, वहां पानी में करंट फैलने की संभावना रहती है। ऐसे स्थानों पर पानी में चलने या तैरने से बचें। विद्युत उपकरणों का उपयोग करते समय हाथ-पैर सूखे रखें तथा रबर या प्लास्टिक के जूते-चप्पलों का उपयोग करें। विभाग ने बताया कि बारिश से पहले सभी फीडरों, ट्रांसफार्मरों एवं विद्युत लाइनों का निरीक्षण और आवश्यक रखरखाव किया जा चुका है। इसके बावजूद नागरिकों की सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।

दुर्घटनाओं से बचने के लिए रखें यह सावधानियां

- घरों, खेतों एवं अन्य स्थानों पर गुणवत्तापूर्ण विद्युत उपकरणों का उपयोग करें।
- खेत या बाड़ी की बाड़ तथा कंटीले तारों में बिजली प्रवाहित न करें।
- विद्युत लाइनों व उपकरणों में खराबी आने पर स्वयं सुधार करने का प्रयास न करें।
- बिजली की लाइनों के आसपास स्थायी या अस्थायी निर्माण न करें।
- बिजली की लाइनों से हुकिंग कर बिजली का उपयोग न करें।
- कपड़े सुखाने के लिए बिजली के खंभों या स्टे वायर का उपयोग न करें।
- करंट लगने पर पहले मुख्य स्विच बंद कर विद्युत प्रवाह तत्काल रोकें।
- स्विच बंद करना संभव न हो, तो सूखी लकड़ी, सूखी रस्सी या सूखे कपड़े की सहायता से पीड़ित को बिजली के स्रोत से अलग करें।
- पीड़ित को सूखी जगह पर लिटाकर प्राथमिक उपचार दें और तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करें।

मध्य-उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का अलर्ट, बिजली गिरने की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह एक्टिव है। पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई, जबकि मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। विभाग ने मंगलवार भी मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण झारखंड और उससे लगे उत्तरी ओडिशा के अंदरूनी हिस्सों में बने लो प्रेशर सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश में लगातार बारिश हो रही है। यह सिस्टम अगले 24 घंटे में उत्तरी ओडिशा से होते हुए उत्तरी छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ेगा, जिससे कई इलाकों में तेज बारिश की संभावना बनी हुई है। हालांकि, विभाग का अनुमान है कि 8 जुलाई से बारिश तीव्रता में कमी आएगी।

छत्तीसगढ़ में 1 जून से 6 जुलाई 213 मिमी (8.3 इंच) वर्षा दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि का सामान्य औसत 258.3 मिमी (10.1 इंच) है। यानी प्रदेश में अब तक 18ब कम बारिश हुई है।

महतारी वंदन योजना : कागजों में महिला बना तिलोक साहू, 12 महीने मिली राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में महतारी वंदन योजना की ई-केवाईसी प्रक्रिया के दौरान एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने योजना की सत्यापन प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खैरागढ़ परियोजना के मुढ़ीपार निवासी तिलोक साहू का आवेदन महिला हितग्राही के रूप में स्वीकृत हो गया। हैरानी की बात यह रही कि आवेदन में हितग्राही और पति दोनों के नाम के स्थान पर तिलोक साहू का ही नाम दर्ज था, फिर भी आवेदन को मंजूरी मिल गई और कई महीनों तक योजना की राशि जारी होती रही।

ट्रायल के लिए किया आवेदन, खाते में आने लगी किस्तें

तिलोक साहू ने बताया कि वह एक कॉमन सर्विस सेंटर (ष्टस्ष्ट) का संचालक है। योजना का पोर्टल शुरू होने पर आवेदन प्रक्रिया को समझने और ट्रायल के उद्देश्य से उसने अपने ही नाम से आवेदन भर दिया था। उसके अनुसार, आश्चर्यजनक रूप से आवेदन स्वीकृत हो गया और उसके बैंक खाते में योजना की किस्तें आने लगीं। तिलोक साहू का दावा है कि उसे 10 किस्तों की राशि मिली थी, जिसे उसने वापस कर दिया है। हालांकि विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार आवेदन के आधार पर 12 महीनों तक राशि जारी होने की जानकारी सामने आई है।

दो स्तर की जांच के बावजूद नहीं पकड़ी गई गलती

ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार आवेदन पब्लिक श्रेणी से दर्ज किया गया था। इसके बाद संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने आवेदन का सत्यापन किया और सुपरवाइजर स्तर पर भी इसे मंजूरी दे दी गई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आवेदन में हितग्राही और पति दोनों के नाम एक ही व्यक्ति के होने के बावजूद यह त्रुटि दोनों स्तरों की जांच में कैसे नजरअंदाज हो गई।

रिकवरी की प्रक्रिया जारी

खैरागढ़ परियोजना अधिकारी रंजना श्रीवास्तव ने बताया कि संबंधित हितग्राही से राशि की वसूली की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अब तक 10 हजार रुपये की रिकवरी की गई है, जबकि आवेदन के आधार पर 12 महीनों तक राशि जारी होने की बात सामने आई है। शेष राशि की वसूली की प्रक्रिया जारी है।

24 घंटे की बारिश के बाद खेत में धंसी जमीन, बालोद में 20 फीट चौड़ा और 30 फीट गहरा गड्ढा बना, ग्रामीणों में दहशत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में लगातार 24 घंटे से हो रही बारिश के बाद गुरुर ब्लॉक के ग्राम भानपुरी में एक किसान के खेत की जमीन धंस गई। खेत में करीब 20 फीट चौड़ा और 30 फीट गहरा गड्ढा बन गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है। इसकी जानकारी सोमवार सुबह खेत पहुंचे किसानों को हुई।

घटना की सूचना ग्रामीणों ने गांव के सरपंच को दी। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा के मद्देनजर गड्ढे के आसपास लोगों के जाने पर रोक लगा दी। वहीं, किसान को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए कृषि विभाग और राजस्व विभाग की टीम ने पंचनामा तैयार किया है। ग्राम भानपुरी के सरपंच डाकेश साहू ने बताया कि यह खेत किसान खेलन साहू का है। सुबह जब वे मौके पर पहुंचे, तब गड्ढा करीब 10 फीट गहरा था, लेकिन शाम तक इसकी गहराई बढ़कर 30 फीट से अधिक हो गई और चौड़ाई करीब 20 फीट तक पहुंच गई।

केसिंग पाइप भी धरती के अंदर समाया

उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर जमीन धंसी है, वहां करीब 25 साल पुराना बंद पड़ा बोरवेल था। जमीन धंसने के साथ ही उसका केसिंग पाइप भी पूरी तरह धरती के अंदर समा गया। इस घटना से आसपास के लोग भी चिंतित हैं। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी तत्काल प्रशासन को दी गई, जिसके बाद वरिष्ठ कृषि अधिकारी छन्नू लाल ठाकुर और पटवारी नवीन साहू ने मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

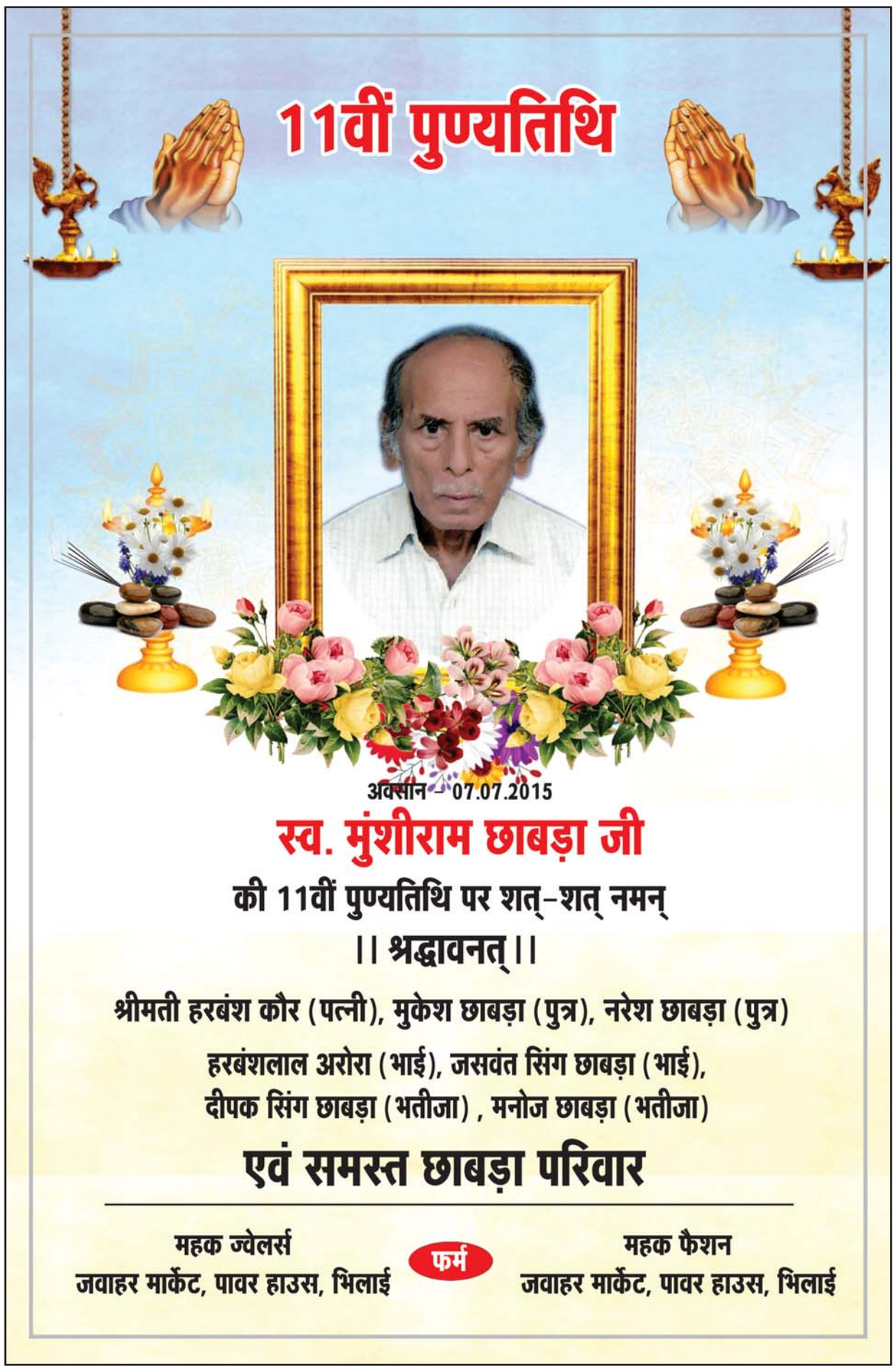

संपादकीय

विश्वास बहाली जरूरी

पारदर्शिता हेतु कठोर फैसले लेने से न चूके ट्रस्ट

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं के आस्था-विश्वास को आहत करने वाला चंदा-चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक में आखिरकार महामंत्री चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए। अब ट्रस्ट के अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री बनाया गया है। राममंदिर के चंदे में हेरफेर से उठे देशव्यापी विवाद के बाद प्राथमिकी दर्ज होने, एसआईटी के गठन और कुछ गिरफ्तारियों के बाद ये इस्तीफे अपरिहार्य थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं। वे दलित समुदाय से आते हैं। वे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज ने सोमवार को अयोध्या में उन बहुमूल्य वस्तुओं को मीडिया के सामने प्रदर्शित किया, जिनके गायब होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के संचालन के लिये विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये एक समिति का गठन किया गया है। इसी क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अगली बैठक बाईस जुलाई को होगी। जिसमें महत्वपूर्ण फैसले लिये जाने का अनुमान है। कहा जा रहा है कि तब तक चंदा चोरी मामले में एसआईटी की रिपोर्ट भी आ जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि आस्था व विश्वास से खिलवाड़ के कृत्य की जांच के लिये क्या एसआईटी की जांच पर्याप्त है? क्या चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे मात्र से उनकी लापरवाही और गैर जिम्मेदार व्यवहार पर कार्रवाई पूरी मान ली जाए? क्या इतनी कार्रवाई मात्र से सारे प्रकरण से संदेह के बादल छंट जाएंगे और लोगों का खंडित भरोसा फिर से कायम हो जाएगा? अब तो संघ प्रमुख ने भी स्वीकारा है कि इस घटनाक्रम से व्यापक हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। ऐसे में अब ट्रस्ट को कठोर फैसले लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखानी चाहिए। निस्संदेह, समय रहते यदि ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने चंदा प्रकरण में संवेदनशीलता के साथ कड़ी निगाह रखी होती तो यह बड़ा विवाद न खड़ा होता। शुरुआती दौर में जब मामले की सुगबुगाहट सामने आई तो तभी ट्रस्ट के पदाधिकारियों को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। ऐसे में ट्रस्ट के पदाधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। कुछ लोग तो ट्रस्ट को भंग करके नये सिरे से इसके गठन की बात कहते रहे हैं। बहरहाल, इतना तय है कि ट्रस्ट की कारगुजारियों में सबकुछ न तो पारदर्शी था और न ही सब कुछ नियम अनुसार ही चला। कहा जा रहा है कि कुछ पदाधिकारियों के पास जरूरत से ज्यादा अधिकार थे, जिसके चलते अन्य सदस्य उदासीन बने रहे। यही वजह है कि कुछ लोग एसआईटी से इतर एक उच्च स्तरीय जांच की मांग इस मामले में करते रहे हैं। निस्संदेह, बहुचर्चित चढ़ावा चोरी प्रकरण की गूंज पूरी दुनिया में हुई है, जिसने संघ,भाजपा, केंद्र सरकार व प्रदेश की सरकार को असहज स्थिति में ला खड़ा किया है। यही वजह है कि लोग इस मामले में किसी लीपा-पोती के बजाय भक्तों के दान की पारदर्शी व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं। जिससे गाहे-बगाहे देश के अन्य प्रमुख तीर्थस्थलों में भी उठने वाले चंदे में हेरा-फेरी के मामलों का हमेशा के लिये पटाक्षेप हो सके। साथ ही श्रद्धालुओं को यह भी पता लग सके कि दान की राशि का उपयोग कैसे किया जा रहा है।

“ सवाल यह है कि क्या सिर्फ दो इस्तीफों से श्रद्धालुओं के भरोसे की बहाली हो पाएगी? जैसा कि नवनियुक्त अंतरिम महामंत्री कृष्ण मोहन ने कहा कि मेरी प्राथमिकता है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा,उसे कड़ी सजा मिले। उन्होंने स्वीकारा कि ट्रस्ट प्रबंधन और संचालन में कहीं न कहीं खामियां रही हैं। उन्हें दूर करने का प्रयास होगा। साथ ही माना कि जो तथ्य सामने आए हैं उससे न्यास की छवि धूमिल हुई है। एक अविश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को फिर स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कृष्ण मोहन भारतीय वन सेवा में शामिल होने से पहले कुछ सालों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु वैज्ञानिक भी रहे हैं।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिरस्थाई विरासत, विचार और राष्ट्र निर्माण

गजेंद्र सिंह शेखावत

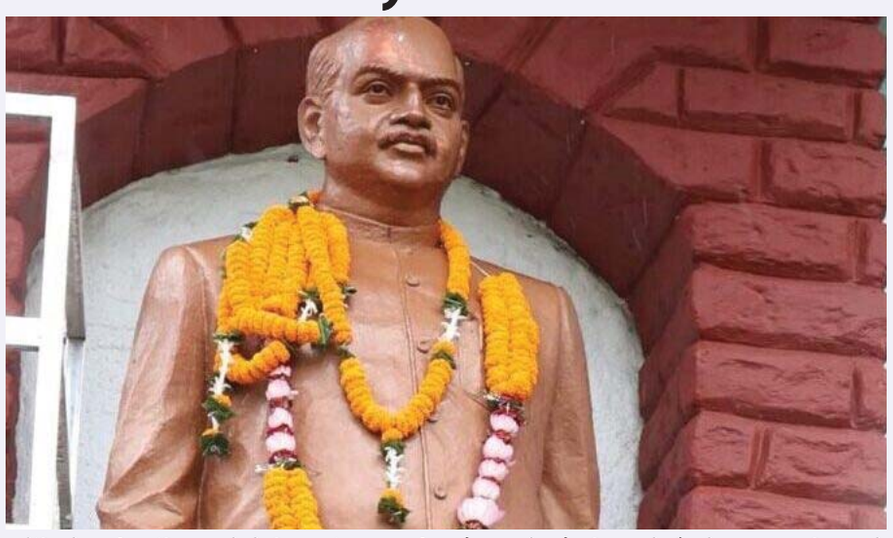

इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है। राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता।

स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी।

उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों। उनकी राय थी कि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के वृहत्तर कार्य से अलग नहीं किया जा सकता।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रति उनका समर्पण विश्वविद्यालयों के परिसर से कहीं आगे बढ़कर था। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की कोर्ट और काउंसिल के सदस्य के तौर पर, उन्होंने भारत के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों में से एक को मज़बूत बनाने में योगदान दिया। 1947 में, उन्होंने 'डिपार्टमेंट ऑफ़ पावर इंजीनियरिंग' की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली-भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत ज़रूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विकास ही देश की दीर्घकालिक मज़बूती तय करेंगे।

स्वतंत्रता के बाद, जब डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तब इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप दिया गया। उन शुरुआती सालों में, नए नए आज़ाद देश के सामने एक औद्योगिक आधार तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स और सिंदरी फर्टिलाइज़र फैक्ट्री जैसे संस्थान सिर्फ़ मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के तौर पर नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प के प्रतीक के तौर पर स्थापित किए गए थे। डॉ. मुखर्जी के लिए, औद्योगीकरण कभी भी अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं था; यह राष्ट्रीय क्षमता और सामूहिक आत्मविश्वास में किया गया एक निवेश था।

हालाँकि, किसी भी संस्थान के निर्माण के लिए केवल भौतिक अवसंरचना या प्रशासनिक कुशलता की ही ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए सहानुभूति, जन-सेवा और नैतिक ज़िम्मेदारी की भावना की भी आवश्यकता होती है। डॉ. मुखर्जी में इन गुणों की झलक 1943 के बंगाल अकाल के दौरान ही साफ़ तौर पर दिखाई दी थी, जब उन्होंने बीसवीं सदी की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत कार्य करने में खुद को समर्पित कर दिया था। विभाजन के बाद, उन्होंने विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। वे समझते थे कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण में संस्थानों को फिर से खड़ा करने के साथ-साथ लोगों के दुख दर्द को कम करना और उस पर मरहम लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। 'महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाई। सभ्यतागत कूटनीति के स्थायी महत्व को समझते हुए, बुद्ध के मुख्य शिष्यों—अर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायन—के पवित्र अवशेषों का भारत में स्वागत करने में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आज भी, मंगोलिया जैसे देशों के साथ इन पवित्र अवशेषों को साझा करने की भारत की कोशिशें यह दिखाती हैं कि किस तरह सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मज़बूत करती है और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा बनाती है।

साहित्य और विद्वता के प्रति भी उनकी चिंता उतनी ही स्पष्ट थी। उनके पत्रों से पता चलता है कि उन्होंने प्रसिद्ध कवि काज़ी नज़रुल इस्लाम की उनके व्यक्तिगत संकट के समय किस तरह मदद की थी। ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि सार्वजनिक नेतृत्व को केवल बड़े नीतिगत फैसलों से ही नहीं, बल्कि उदारता के उन शांत और मौन कार्यों से भी आंका जाता है, जिन पर शायद ही कभी लोगों का ध्यान जाता है।

डॉ. मुखर्जी ने संस्थागत निर्माण के इसी दृष्टिकोण को संविधान सभा में भी आगे बढ़ाया। संविधान के निर्माण को एक बड़ी जिम्मेदारी और एक गंभीर और पवित्र विश्वास के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने संवैधानिक शासन के साथ जुड़ी नैतिक ज़िम्मेदारियों पर ज़ोर दिया। उनके वे शब्द आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। संविधान की ताकत अंततः न केवल उसके लिखित प्रावधानों पर, बल्कि संसद की शुचिता, सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करती है। संवैधानिक लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब संस्थाओं पर जनता का भरोसा हो और वे ईमानदारी से काम करें।

जैसे-जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच हमें एक ज़रूरी बात याद दिलाती है। सिर्फ़ आर्थिक विकास से ही देश की तरक्की तय नहीं होती। संवहनीय विकास के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और लोगों का भरोसा जगाने वाले संस्थानों में लगातार निवेश की ज़रूरत होती है।

सड़कें, हवाई अड्डे और कारखाने बेहद जरूरी हैं, लेकिन उतने ही जरूरी वे विश्वविद्यालय भी हैं जो जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं, वे प्रयोगशालाएँ जो ज्ञान का विस्तार करती हैं, वे संग्रहालय जो विरासत को संजोते हैं और वे सार्वजनिक संस्थान जो संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, वे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

संस्थाओं में एक अद्भुत गुण होता है: वे सरकारों, राजनीतिक आंदोलनों और यहाँ तक कि कई पीढ़ियों से भी ज़्यादा समय तक बनी रहती हैं। वे संचित ज्ञान को संजोकर रखती हैं, बदलाव के बीच निरंतरता बनाए रखती हैं और समाज को दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। नेता इतिहास को आकार दे सकते हैं, लेकिन संस्थाएं सभ्यता को जीवित रखती हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सार्वजनिक जीवन का सबसे अहम सबक यही है। उनकी विरासत केवल उन पदों तक सीमित नहीं है जो उन्होंने संभाले या उन बहसों में भी नहीं है जिनमें उन्होंने हिस्सा लिया, बल्कि यह उनके उस अटूट विश्वास में निहित है कि मजबूत संस्थान ही किसी राष्ट्र की आकांक्षाओं के सच्चे संरक्षक होते हैं।

जैसे-जैसे भारत अपनी विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, ज्ञान, वैज्ञानिक चेतना, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को मजबूत करना ही उनके प्रति सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं।

दुनिया के शहर मिलकर भी क्लाइमेट चेंज से लड़ सकते हैं

माइकल ब्लूमबर्ग

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ पूरी दुनिया ही एक लड़ाई लड़ रही है। इस संघर्ष में लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं की कोई कमी नहीं रही है। लेकिन अंततः लोग इस दिशा में हुई प्रगति का आकलन इस आधार पर करते हैं कि वे अपने दैनिक जीवन में क्या अनुभव करते हैं। और जलवायु कार्रवाई का प्रभाव दुनिया के शहरों में सबसे अधिक प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है।

शहरों में यह समझ अब बनने लगी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय लोगों के दैनिक जीवन को भी बेहतर बनाते हैं। एनर्जी-इफिशिएंट घर बिजली के बिल को कम करते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी आयातित-ईंधनों पर निर्भरता और तेल-गैस की कीमतों में उछाल से पैदा होने वाली मुश्किलों को कम करती है।

बेहतर सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षित साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर लोगों को आने-जाने के लिए अधिक किफायती और स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराता है। पेड़ और ग्रीन बेल्ट हवा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं, इलाकों को ठंडा रखते हैं और शहरों को रहने के लिए अधिक सुखद बनाते हैं।

लेकिन जलवायु कार्रवाई का उद्देश्य केवल यही नहीं है। यह लोगों को गर्म होती पृथ्वी के पहले से स्पष्ट हो चुके प्रभावों से सुरक्षित रखने का भी प्रयास है। लू, बाढ़, सूखा और एक्स्ट्रीम-मौसम की घटनाएं लगातार अधिक तीव्र हो रही हैं। शहर और उनके निवासी इन चुनौतियों का सबसे पहले सामना कर रहे हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एडाप्टेशन के उपायों को भी आगे बढ़ाना होगा।

दुनिया भर में स्थानीय नेतृत्व स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और सार्वजनिक स्थलों को अत्यधिक गर्मी तथा अन्य जलवायु जोखिमों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनुकूल बनाने के प्रयास कर रहा है। छायादार व्यवस्थाएं, ग्रीन रूफ और प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम्स बढ़ते तापमान के प्रति शहरों की क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जिसका सबसे अधिक लाभ बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील समूहों को मिलता है। आज दुनिया के कई बड़े शहरों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटा है, जबकि उनकी आबादी लगातार बढ़ती रही है। इसके अलावा, तमाम तरह के शहर मिलकर उस प्रगति को और तेज करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो उन्होंने अलग-अलग स्तर पर हासिल की है। पिछले एक दशक में ग्लोबल कोवेनेंट ऑफ मेयर्स फॉर क्लाइमेट एंड एनर्जी (जीसीओएम) 150 देशों के 14,000 से अधिक शहरों और स्थानीय सरकारों के गठबंधन के रूप में विकसित हुआ है, जो एक अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें भारत के भी 29 शहर शामिल हैं और सबसे नया सदस्य तिरुवनंतपुरम है।

इसके अनेक सदस्य शहरों ने अपनी सरकारों की तुलना में अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्य अपनाए हैं और उन्हें अधिक तेजी से हासिल करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। फिर भी, यदि उन्हें अधिक सहयोग मिले तो वे और तेजी से तथा अधिक व्यापक स्तर पर काम कर सकते हैं। उन्हें तकनीकी विशेषज्ञता और फंडिंग तक पहुंच की तत्काल आवश्यकता है। अनेक स्थानीय निकायों के पास अब भी इतने संसाधन नहीं हैं कि वे जलवायु परियोजनाओं की पहचान, विकास और क्रियान्वयन कर सकें।

साझेदारी से इन जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। सिटी क्लाइमेट फाइनेंस गैप फंड- जिसे जीसीओएम और विश्व बैंक का समर्थन प्राप्त है- पहले ही ऐसी परियोजनाएं विकसित करने में शहरों को सहायता दे रहा है, जो निवेश को आकर्षित कर सकें और आबादी को लाभ पहुंचा सकें। पिछले कुछ वर्षों में इसने 1,400 से अधिक शहरों को जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्रवाई में बदलने में सहायता प्रदान की है।

राष्ट्रीय सरकारें अब जलवायु परिवर्तन से निपटने में शहरों की क्षमता को तेजी से स्वीकार कर रही हैं। लेकिन इसे केवल शुरुआत माना जाना चाहिए। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा।

बेहतरीन शिक्षा को बढ़ावा: कैसे टॉप-क्लास शिक्षा योजनाएँ भारत के भविष्य के नेताओं को तैयार कर रही हैं

सुधांश पंत

पूरे भारत में, SC छात्रों के लिए 'टॉप क्लास एजुकेशन स्कीम' के ज़रिए होनहार युवा छात्र अपनी उम्मीदों को कामयाबी में बदल रहे हैं। बेहतरीन संस्थानों में अच्छी शिक्षा तक पहुँच बढ़ाकर, यह स्कीम प्रोफेशनल्स, इनोवेटर्स, रिसर्चर्स, एंटरप्रेन्योर्स और लीडर्स की एक नई पीढ़ी तैयार कर रही है जो भारत की तरक्की और विकास में योगदान दे रहे हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा लागू की गई SCs के लिए 'टॉप क्लास एजुकेशन स्कीम' का मकसद यह पक्का करना है कि जिन होनहार छात्रों के परिवार की सालाना आय 8 लाख रुपये तक है, उन्हें राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और अन्य बेहतरीन संस्थानों में अच्छी उच्च शिक्षा मिल सके। यह स्कीम ट्यूशन फीस, रहने-सहने का खर्च, किताबें, कंप्यूटर और पढ़ाई से जुड़ी अन्य ज़रूरतों के लिए पूरी आर्थिक मदद देती है, जिससे छात्र आत्मविश्वास और फोकस के साथ बेहतरीन प्रदर्शन कर पाते हैं।

पिछले कुछ सालों में, यह स्कीम शिक्षा के ज़रिए सशक्तिकरण का एक अहम ज़रिया बनकर उभरी है। इसने छात्रों के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में आगे बढ़ने और राष्ट्र-निर्माण में सार्थक योगदान देने के मौके पैदा किए हैं।

शिक्षा के ज़रिए सशक्तिकरण का बढ़ता दायरा

2007-08 में शुरू होने के बाद से इस स्कीम का असर लगातार बढ़ा है। इस स्कीम के तहत मदद पाने वाले छात्रों की संख्या 2007-08 में 195 से बढ़कर 2025-26 में 4,742 हो गई है। इसी दौरान, स्कीम के तहत सालाना खर्च 2.17 करोड़ रुपये से बढ़कर 117.19 करोड़ रुपये हो गया है। आज, इस स्कीम से मदद पाने वाले छात्र बेहतरीन संस्थानों में उच्च शिक्षा ले रहे हैं, जिनमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (IITs), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (NITs), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IIITs), नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ (NLUs), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन (NID), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट (IIMs) जैसे प्रमुख मैनेजमेंट संस्थान और राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थान शामिल हैं।

यह स्कीम न सिर्फ़ अच्छी शिक्षा तक पहुँच आसान बना रही है, बल्कि छात्रों को एडवांस्ड स्किल्स सीखने, रिसर्च करने, इनोवेशन को अपनाने और अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों में लीडरशिप की भूमिकाओं के लिए तैयार होने में भी मदद कर रही है।

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में उत्कृष्टता का निर्माण

टेक्नोलॉजी सेक्टर आज की अर्थव्यवस्था में सबसे ज़्यादा तेज़ी से बदलते और बेहतरीन मौके देने वाले क्षेत्रों में से एक है, और इस स्कीम से मदद पाने वाले छात्र इस क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं। इस स्कीम से हज़ारों छात्रों को फायदा हुआ है, जिनमें से कुछ सफलता की कहानियाँ नीचे दी गई हैं:

अमूल शतुरिया ने इस स्कीम की मदद से IIIT इलाहाबाद से इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में B.Tech. किया। अच्छी शिक्षा, टेक्निकल प्रोजेक्ट्स और स्किल डेवलपमेंट के ज़रिए मिले मौकों ने उन्हें अपनी प्रोफेशनल क्षमताएँ बढ़ाने और एक बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनी में 56 लाख के सालाना पैकेज पर नौकरी पाने में मदद की। भले ही वे कमज़ोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले स्कूल बस कंडक्टर के बेटे हैं, लेकिन उनकी कामयाबी यह दिखाती है कि कैसे यह स्कीम होनहार छात्रों को टेक्नोलॉजी से जुड़े बहुत ज़्यादा कॉम्पिटिटिव सेक्टर में कामयाबी के साथ मुकाबला करने में मदद कर रही है।

इसी तरह, सुष्मिता पोथुराजु ने IIIT इलाहाबाद में अपनी पढ़ाई के दौरान एकेडमिक्स, कोडिंग एक्टिविटीज़, इंटर्नशिप और लीडरशिप से जुड़े कामों में मिले मौकों का फायदा उठाया। Amazon में 45 लाख के सालाना पैकेज पर उनकी नियुक्ति एडवांस्ड टेक्नोलॉजी करियर में महिला स्कॉलर्स की बढ़ती मौजूदगी को दिखाती है और बेहतरीन काम और प्रोफेशनल कामयाबी को बढ़ावा देने में इस स्कीम की भूमिका को उजागर करती है। सफलता की ये कहानियाँ दिखाती हैं कि कैसे शिक्षा के मौकों के साथ-साथ दृढ़ संकल्प और हुनर मिलकर शानदार प्रोफेशनल नतीजे पाने का रास्ता बना सकते हैं।

देश-निर्माण वाले सेक्टर में भागीदारी को मज़बूत करना

इस स्कीम का असर उन सेक्टर में भी साफ दिखता है जो भारत के विकास के सफ़र के लिए बहुत ज़रूरी हैं।

IIT पलक्कड़ में सिविल इंजीनियरिंग की छात्रा सुश्री थंबाला सिंधु, जो ग्रामीण पृष्ठभूमि से आती हैं, ने प्रोफेशनल शिक्षा और इंडस्ट्री-ओरिएंटेड लर्निंग के लिए इस स्कीम से मिले मौकों का इस्तेमाल किया। बाद में उन्हें भारत की प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर और इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक, लार्सन एंड टुब्रो कंस्ट्रक्शन में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के तौर पर चुना गया।

इसी तरह, ढ्ढढ्ढञ्ज पलक्कड़ से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग ग्रेजुएट श्री नलान एस, जो अपने समुदाय के पहले पीढ़ी के छात्र हैं, ने रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न पब्लिक सेक्टर कंपनी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (क्चश्वरु) में नौकरी हासिल की। उनकी कामयाबी यह दिखाती है कि कैसे यह स्कीम बहुत कुशल प्रोफेशनल तैयार करने में मदद कर रही है जो रणनीतिक सेक्टर और टेक्नोलॉजी की तरक्की में योगदान देते हैं।

ऐसी कामयाबियाँ एक कुशल वर्कफोर्स बनाने में स्कीम के योगदान को उजागर करती हैं, जो भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा और टेक्नोलॉजी से जुड़े लक्ष्यों को पूरा करने में मदद कर सकता है।

अलग-अलग प्रोफेशनल क्षेत्रों में सफलता को संभव बनाना

बोग्गिटी शाइनी जैस्पर ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ प्लांटेशन मैनेजमेंट, बेंगलुरु से अपना PGDM पूरा किया। इस स्कीम से मिले मौकों की वजह से वह पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रोफेशनल डेवलपमेंट पर ध्यान दे पाईं, जिससे उन्हें कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी नौकरी मिली। उनका सफर दिखाता है कि यह स्कीम प्रोफेशनल तरक्की में मदद करने और छात्राओं के लिए भी भविष्य में लीडरशिप के मौके बनाने में कितनी अहम भूमिका निभाती है।

कानूनी शिक्षा के क्षेत्र में, ऋषभ भास्कर लाडे ने महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, मुंबई से B.A. LL.B. (ऑनर्स) प्रोग्राम किया। अपनी पढ़ाई सफ्लतापूर्वक पूरी करने के बाद, उन्हें IDBI बैंक में असिस्टेंट लीगल मैनेजर के तौर पर नौकरी मिली। उनकी कामयाबी दिखाती है कि कैसे यह स्कीम होनहार छात्रों को कानून, बैंकिंग और गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में सफ्ल करियर बनाने में मदद कर रही है। ये उदाहरण दिखाते हैं कि स्कीम अलग-अलग क्षेत्रों में बेहतरीन काम करने में मदद करने और अच्छे प्रोफेशनल करियर के रास्ते बनाने में कितनी सक्षम है।

क्रिएटिविटी, एंटरप्रेन्योरशिप और रिसर्च को बढ़ावा देना

यह स्कीम छात्रों को इनोवेशन, क्रिएटिविटी और एंटरप्रेन्योरशिप की ओर बढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन, अहमदाबाद की छात्रा वर्तिका सोनकर ने अपनी डिज़ाइन की विशेषज्ञता और क्रिएटिव क्षमताओं को विकसित करने के लिए इस स्कीम से मिले मौकों का इस्तेमाल किया। आज, उन्होंने खुद को एक प्रोफेशनल ज्वेलरी डिज़ाइनर के तौर पर स्थापित किया है और इंडस्ट्री की जानी-मानी संस्थाओं के साथ काम किया है। उनका सफ़र दिखाता है कि कैसे यह स्कीम क्रिएटिव क्षेत्रों में टैलेंट को सपोर्ट करती है और छात्रों को एंटरप्रेन्योर बनने की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करती है। रिसर्च और इनोवेशन के क्षेत्र में, इस स्कीम के तहत सपोर्ट पाने वाले स्कॉलर्स ज्ञान और टेक्नोलॉजी के नए उभरते क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। चिंटाला संजय ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एप्लीकेशन में अपने काम के ज़रिए बेहतरीन एकेडमिक प्रदर्शन किया है, जिसमें हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी से जुड़ी रिसर्च भी शामिल है। ऐसी उपलब्धियां दिखाती हैं कि इस स्कीम से सपोर्ट पाने वाले छात्र इनोवेशन-आधारित क्षेत्रों में कितना योगदान दे रहे हैं। कई स्कॉलर्स आगे की एकेडमिक और रिसर्च से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं को भी पूरा कर रहे हैं, जिससे भारत के ज्ञान इकोसिस्टम में योगदान मिल रहा है और देश की इनोवेशन क्षमता मज़बूत हो रही है।

महत्वाकांक्षा और उपलब्धि का माहौल बनाना

शिक्षा और प्रोफेशनल सफ्लता से कहीं आगे, यह स्कीम महत्वाकांक्षा, आत्मविश्वास और उपलब्धि का माहौल बनाने में मदद कर रही है। इस स्कीम के तहत सपोर्ट पाने वाले छात्र ज़्यादा फोकस और दृढ़ संकल्प के साथ एकेडमिक्स, रिसर्च, इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और प्रोफेशनल डेवलपमेंट के मौकों को अपना रहे हैं। उनकी उपलब्धियाँ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का काम करती हैं और शिक्षा की उस अहम भूमिका को मज़बूत करती हैं जो अवसर बढ़ाने और छिपी हुई क्षमता को बाहर लाने में मदद करती है। इसका असर सिर्फ़ व्यक्तिगत उपलब्धियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे परिवार मज़बूत होते हैं, समुदायों में आगे बढ़ने की चाहत बढ़ती है और एक कुशल व आत्मविश्वास से भरा वर्कफोर्स तैयार होता है।

(लेखक भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग में सचिव हैं।)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

उत्कर्ष योजना अंतर्गत प्रवेश हेतु परिणाम घोषित

दुर्ग। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में उत्कृष्ट निजी आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी, परीक्षा उपरांत परिणाम घोषित कर दिया गया है। उक्त परीक्षा के परिणाम जिले की अधिकारिक वेबसाईट तथा कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दुर्ग के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु उपलब्ध हैं। परीक्षा परिणाम के संबंध में किसी अभ्यर्थी/अभिभावक को दावा-आपत्ति हो, तो वे अपना दावा-आपत्ति साक्ष्यों सहित लिखित रुप में 09 जुलाई 2026 तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास में जमा कर सकते है। निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

ट्यूबवेल खनन पर लगा प्रतिबंध, तत्काल प्रभाव से समाप्त

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने जिले में नलकूप (ट्यूबवेल) खनन पर लगे प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 के तहत गत दिनों जिले को जलाभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया था। यह प्रतिबंध 30 जून 2026 अथवा मानसून के आगमन तक के लिए लागू किया गया था। वर्तमान में जिले में मानसून का आगमन हो जाने की स्थिति को देखते हुए, कलेक्टर सिंह ने इस अधिनियम की धारा 6 के अंतर्गत नलकूप खनन पर लगे प्रतिबंध के पूर्व आदेश को आगामी आदेश तक समाप्त कर दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 10 जुलाई को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग एवं हेमचंद यादव विश्वविद्यालय जिला-दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में 10 जुलाई 2026 को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय नया भवन परिसर पोटिया दुर्ग में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक रोजगार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मागदर्शन केन्द्र से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त रोजगार मेला हेतु कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई.टी.आई., डिप्लोमा इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग स्नातक, एम.बी.बी.एस., बी.ए.एम.एस., नर्सिंग, जी.एन.एम., ए.एन.एम., डिप्लोमा पैरामेडिकल एवं अन्य योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 15 नियोजकों से 1342 तकनीकी एवं गैर तकनीकी रिक्तियों प्राप्त हो चुकी है जो 08 जुलाई 2026 तक बढ़ सकती है एवं जिसकी जानकारी रोजगार विभाग के वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in अथवा छत्तीसगढ़ रोजगार एप पर उपलब्ध है। इच्छुक आवेदक ऑनलाईन आवेदन कर सकतें है जिसके लिए रोजगार पंजीयन करवाना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में संपर्क कर सकते हैं।

दुर्ग के गांव-गांव में लबालब भरीं आजीविका डबरियां और नवा तरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जल संरक्षण से ग्रामीण आजीविका को मिलेगी नई मजबूती

दुर्ग। मानसून की शुरुआत के साथ दुर्ग जिले में 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान 2.0 के सकारात्मक परिणाम अब गांव-गांव में दिखाई देने लगे हैं। अभियान के तहत निर्मित आजीविका डबरियां, नवा तरिया, चेक डैम, परकोलेशन पॉण्ड और अन्य जल संरक्षण संरचनाएं तेजी से पानी से लबालब भर रही हैं। इससे न केवल भू-जल स्तर में सुधार होगा, बल्कि किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण परिवारों को सिंचाई, मत्स्य पालन, बागवानी तथा अन्य आजीविका गतिविधियों के लिए वर्षभर पानी उपलब्ध हो सकेगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन तथा सीईओ जिला पंचायत बजरंग कुमार दुबे के नेतृत्व में 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान 2.0 और वीबी जी राम जी के प्रभावी समन्वय से जिले की 300 ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए गए। जनभागीदारी से संचालित इस अभियान ने वर्षा जल संचयन और भू-जल पुनर्भरण को नई गति दी है।

एक ही वित्तीय वर्ष में जिले में 55,965 वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच, 20,518 कंटूर ट्रेंच, 9,663 सोख्ता गड्ढे, 1,324 रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं, 834 रिचार्ज पिट, 123 ग्राम तालाब, 26 चेक डैम, 15 परकोलेशन पॉण्ड तथा 28 बोरवेल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया गया। इन संरचनाओं में वर्षा जल का तेजी से संचयन होने से अभियान की उपयोगिता स्पष्ट रूप से सामने आने लगी है।

जिले में निर्मित 30 आजीविका डबरियां वर्षा जल का प्रभावी संचयन कर रही हैं। वहीं 'नवा तरिया-आय के जरिया' पहल के अंतर्गत बनाए गए 112 डबरी एवं तालाब भी बारिश के पानी से भरने लगे हैं। इन जल संरचनाओं से मत्स्य पालन, सिंचाई, बागवानी और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीणों को वर्षभर स्थायी जल स्रोत उपलब्ध होंगे। जिला प्रशासन का मानना है कि 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान केवल जल संरक्षण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। मानसून की पहली अच्छी बारिश के साथ आने वाले समय में जल सुरक्षा, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण आजीविका को दीर्घकालिक लाभ मिलने की उम्मीद और मजबूत हुई है।

भारी बारिश के बीच निगम आयुक्त मैदान में जलभराव वाले इलाकों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लगातार दो दिनों से हो रही भारी बारिश के बाद भिलाई में जलभराव की स्थिति को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने सोमवार को जोन-01 नेहरू नगर के कई संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने राधिका स्थित नगर कोसा नाला, दीक्षित कॉलोनी, गांधी नगर, एम.जे. कॉलेज जुनवानी रोड, इंदु आईटी नाला तथा शांति नगर सहित कई जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का मौके पर जाकर जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने नालों और नालियों में पानी का स्तर बढ़ने, पुलों पर कचरा फंसने तथा निचली बस्तियों में पानी भरने की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। बारिश के कारण नाले और नालियां पूरी तरह भर जाने से कई स्थानों पर पानी सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव वाले सभी क्षेत्रों की लगातार मॉनिटरिंग की जाए और जहां भी अवरोध हो, उसे तत्काल हटाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आयुक्त के निर्देश पर निगम के सभी जोनों के अधिकारी और कर्मचारी जलभराव वाले इलाकों में लगातार सक्रिय हैं। नालों की सफाई, कचरा हटाने और जल निकासी को सुचारु बनाने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। निगम प्रशासन का दावा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए टीमें तैयार हैं। भारी बारिश के साथ चली तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ सड़कों पर गिर गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। निगम की टीमों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पेड़ों की कटाई और हटाने का कार्य शुरू कर दिया है।

प्रभावित मार्गों पर आवागमन को फिर से सुचारु बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जलभराव, पेड़ गिरने या अन्य आपदा संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण कर नागरिकों को राहत पहुंचाना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त दिनेश कोसरिया, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, उप अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, शंकर साहनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

वीएलई को श्रमिक डेटा अपडेट और ई-केवाईसी का दिया गया प्रशिक्षण

दुर्ग। जिले के श्रमिकों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राधाकृष्ण सभागार, साइंस कॉलेज दुर्ग में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के वीएलई संचालकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

सहायक श्रमायुक्त से प्राप्त जानकारी अनुसार कार्यशाला में वीएलई संचालकों को आधार के अनुरूप श्रमिकों के डेटा संशोधन तथा ई-केवाईसी प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के वीएलई द्वारा कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। प्रभारी सहायक श्रमायुक्त पायल शर्मा, श्रम निरीक्षक बसंत वर्मा एवं श्रम कल्याण अधिकारी डॉ. टुकेन्द्र कुमार ने ई-केवाईसी प्रक्रिया में आने वाली तकनीकी एवं व्यवहारिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान की जानकारी दी।

कार्यशाला में राज्य स्तरीय मैनेजर नीता साहू एवं जिला मैनेजर प्रकाश अंसारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि श्रमिकों के डेटा सुधार के लिए शासन द्वारा 20 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान वीएलई संचालकों से अपील की गई कि वे श्रमिकों का डेटा समय पर अपडेट कर ई-केवाईसी पूर्ण कराएं, ताकि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

टीम 'भिलाई एंथम' ने याद किया तीजन बाई का योगदान

भिलाई। वर्ष 2018 में इस्पात नगरी भिलाई पर आधारित 'भिलाई एंथम' तैयार करने वाली टीम ने पद्मविभूषण स्व. तीजन बाई के योगदान को याद किया है। टीम 'भिलाई एंथम' ने तीजन बाई को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। टीम की संयोजक प्रोफेसर सुस्मिता बसु मजुमदार ने कहा कि अपने शहर भिलाई को एक आदरांजलि देने उन्होंने इसकी रचना की थी और पूरी टीम का मानना था कि इसकी शुरूआत छत्तीसगढ़ की धरोहर पद्मविभूषण तीजन बाई से होनी चाहिए। ऐसे में सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर-10 के 1988 बैच से बनीं टीम उनसे मिली थी।

बसु ने बताया कि भिलाई एंथम में वह अपनी लिखी लाइन से तीजन बाई से शुरूआत करवाना चाहती थीं लेकिन तीजन बाई ने कहा कि वह पंडवानी के अलावा कुछ और नहीं गा सकतीं। इसलिए टीम ने तय किया कि उनसे पंडवानी ही गाने कहेंगे। इस पर वे राजी हो गईं और रायपुर के स्टूडियो में पहुंच कर उन्होंने रिकार्डिंग के लिए पंडवानी गाना शुरू किया। बसु ने कहा कि शिफॉन की साड़ी और बिना आस्तीन वाले ब्लाउज़ में पंडवानी गाते हुए उन्हें हम सब मंत्रमुग्ध होकर देख रहे थे। उन्होंने पूरे 45 मिनट अपने गायन से एक ऐसा जादू जगा दिया, जिसकी हम लोग कल्पना भी नहीं कर सकते। सुस्मिता ने कहा कि 'भिलाई एंथम' के लॉन्च से ठीक पहले तीजन बाई को सीने में दर्द के कारण सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

ऐसे में वह लॉन्च में शामिल नहीं हो पाईं, जहाँ भिलाई से जुड़ी प्रख्यात हस्तियों अनुराग बसु, अरुंधति भट्टाचार्य, अनुज शर्मा, अमित साना, पामेला जैन, तत्कालीन सीईओ एम. रवि और 'भिलाई एंथम' टीम के सदस्य मौजूद रहने वाले थे। ऐसे में लॉन्च से पहले सुबह टीम 'भिलाई एंथम' उनसे मिलने हॉस्पिटल पहुंची। तब तीजन बाई लॉन्च में न आ पाने के कारण बहुत दुखी थीं, लेकिन साथ ही उनकी मुस्कान बता रही थी कि वह बहुत खुश भी थीं, क्योंकि टीम ने लॉन्च से पहले उन्हें 'भिलाई एंथम' की एक सीडी की कॉपी और एक छोटा सा सितार भेंट किया।

आईआईटी भिलाई ने तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईआईटी भिलाई में 1 से 3 जुलाई 2026 तक 'समग्र शिक्षा' द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आठ बैचों में लगभग 400 शिक्षकों को प्रशिक्षित करना था, जिसमें प्रत्येक बैच ने संस्थान में तीन दिन का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यक्रम के संरक्षक एवं मुख्य अतिथि आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने अपने संबोधन में शिक्षकों की राष्ट्र एवं समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को स्वावलंबी बनने, कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने तथा विद्यार्थियों में उत्तम चरित्र और नैतिक मूल्यों के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महबूब आलम एवं डॉ. ध्रुव प्रताप सिंह हैं। अपने संबोधन में डॉ. महबूब आलम ने कहा कि शिक्षक दीपक के समान होते हैं, जो स्वयं जलकर विद्यार्थियों के जीवन से अज्ञानता का अंधकार दूर करते हैं। वहीं डॉ. ध्रुव प्रताप सिंह ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए बताया कि वे अपने विद्यालय के शिक्षकों के योगदान को सदैव सम्मानपूर्वक स्मरण करते थे।

इस अवसर पर डॉ कुलदीप कुमार कटारिया, डीन (शैक्षणिक कार्य) तथा डॉ महावीर शर्मा, और डॉ मईलमुरुगन, भौतिकी एवं रसायन विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में वृद्धि, कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना तथा मूल्यपरक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना है।

भिलाई महापौर परिषद की बैठक में कई बड़े एजेंडों पर लगी मुहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की महापौर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में शहर के विकास, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई। आवश्यक विषयों पर परिषद ने स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्यवाही आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

बैठक में वार्ड क्रं. 69 एवं 70 हुड़को में सीवरेज पाईप लाईन का नवीनीकरण कार्य, जोन 03 संतोषी पारा में बी.आर. अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन को 2 माह के लिए संचालन/प्रबंधन/संधारण में दिये जाने, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता मापदण्डों से आकस्मिक साफ-सफाई कार्य हेतु 50 कामगार उपलब्ध कराने एव बी.आर. अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन के संचालन, प्रबंधन एवं संधारण हेतु 10 माह के लिए किराये पर दिये जाने नियम शर्तो का अनुमोदन कार्य, वार्ड क्रं. 70 नवनिर्मित मंगल भवन के चारों ओर परिसर गार्डन सौंदर्यीकरण एवं पार्किंग निर्माण कार्य, गोकुल धाम कुरूद में पशुपालकों को आबंटित भूखण्डों के आबंटन के शेष प्रब्याजी राशि एवं भू-भाटक जमा कराने कार्य को महापौर परिषद के सदस्यों ने सर्व सम्मति से सहमति प्रदान की है। चौक चौराहो के नामकरण संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा हुई, जिसमें पूर्व महापौर परिषद का संकल्प जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया है उसके बाद ही आगामी बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

वहीं खुर्सीपार स्थित पूर्व निर्मित स्टेडियम एवं दुकानों के तकनीकी कार्यो/संधारण हेतु अनापत्ति के संबंध में कार्य को सलाहकार समिति के माध्यम से आगामी महापौर परिषद के बैठक में प्रस्तुत करने एवं निगम क्षेत्रांतर्गत नव निर्मित स्लाटर हाउस को अन्यंत्र स्थानांतरण करने आगामी बैठक में पुनः चर्चा किया जाएगा। इसी कड़ी में महापौर महोदय के अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा हेतु रखा गया, अन्य विषयों को सर्व सम्मति से पारित किया गया है।

महापौर परिषद ने स्पष्ट किया कि स्वीकृत प्रस्तावों के क्रियान्वयन से शहर में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा, स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी तथा नागरिकों को बेहतर शहरी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य सीजू एन्थोनी, लक्ष्मीपति राजू, एकांश बंछोर, संदीप निरंकारी आदित्य सिंह, साकेत चंद्राकर, चंद्रशेखर गंवई, मन्नान गफ्फार खान, लालचंद वर्मा, मीरा बंजारे, मालती ठाकुर, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे, दिनेश कोसरिया, अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा, जोन आयुक्त येशा लहरे, कुलदीप गुप्ता, अमरनाथ दुबे, अजय गौर, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, अरविंद शर्मा, सुनील जैन, संजय अग्रवाल, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, फत्तेलाल साहू, चंद्रभूषण साहू लेखाधिकारी, राजस्व अधिकारी जे.पी. तिवारी, जावेद अली स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मेधावी बच्चों के सपनों को मिलेगी नई उड़ान, 12 जुलाई तक करें आवेदन

रायपुर। आर्थिक अभाव अब प्रतिभाशाली बच्चों की शिक्षा में बाधा नहीं बनेगा। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा का अवसर दे रही है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है और इच्छुक अभिभावक 12 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत वर्तमान सत्र में कक्षा 5वीं उत्तीर्ण कर चुके पात्र विद्यार्थियों का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा। चयनित बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक प्रदेश के निजी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा मिलेगी। उनकी पढ़ाई के साथ आवास, भोजन और अन्य निर्धारित खर्च का पूरा वहन मंडल करेगा। योजना का उद्देश्य श्रमिक परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें समान अवसर देना और उनके भविष्य को मजबूत बनाना है। सहायक श्रमायुक्त कार्यालय ने पात्र निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते ऑनलाइन आवेदन करें।

कोसा बीज केंद्र मोदकपाल से 5,700 तसर स्वस्थ डिम्ब समूहों का वितरण

रायपुर। राज्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत बीजापुर जिले में रेशम विभाग द्वारा संचालित कोसा बीज केंद्र, मोदकपाल में तसर पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हितग्राहियों को 5,700 तसर स्वस्थ डिम्ब समूहों का वितरण किया गया। इन डिम्ब समूहों की कुल लागत 91,200 रुपए रही। इसमें राज्य शासन ने 79,800 रुपए की सब्सिडी प्रदान की, जबकि हितग्राहियों से केवल 11,400 रुपए का अंशदान लिया गया। इससे कम लागत में गुणवत्तायुक्त तसर बीज उपलब्ध कराकर तसर पालन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के लोगों की आय बढ़ाना तथा उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है। विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए गुणवत्तायुक्त स्वस्थ डिम्ब समूहों से बेहतर उत्पादन की संभावना है। इससे हितग्राही वैज्ञानिक तरीके से तसर पालन कर अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

बारिश भी नहीं रोक सकी जागरूकता की मुहिम

रायपुर। लगातार हो रही बारिश के बावजूद सुकमा के ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का उत्साह कम नहीं हुआ। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन तथा नीति आयोग के सहयोग से संचालित योजना जत्था अभियान गांव-गांव पहुंचकर शिक्षा, स्वास्थ्य और शासकीय योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचा रहा है। इसी क्रम में रविवार को सुकमा विकासखंड की ग्राम पंचायत कोर्रा और ग्राम पंचायत सोना कूकानार के राऊतपारा में मॉडल साक्षरता कार्यक्रम एवं योजना जत्था का आयोजन किया गया। दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी कर अभियान को सफल बनाया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को वर्षा ऋतु में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, स्वच्छता, मौसमी बीमारियों से बचाव तथा साक्षरता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। योजना जत्था की टीम ने नाटक, संवाद और जनसंपर्क जैसे रोचक माध्यमों से सरकारी योजनाओं की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया, जिससे लोगों ने सहजता से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र के प्रति समर्पण हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बिलासपुर के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर आयोजित व्याख्यान माला (छात्र सम्मेलन) को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक कारणों से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अतुलनीय योगदान को लंबे समय तक भुलाने का प्रयास किया गया, जबकि उन्होंने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन प्रत्येक विद्यार्थी और युवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है। बचपन से ही उनमें राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति और शिक्षा के प्रति गहरा समर्पण था। कम आयु में ही वे विद्वान शिक्षाविद् बने और भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि मानते हुए हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना किया।

श्री साव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने विभाजन के समय प्रताड़ित और पीड़ित हिंदू परिवारों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष किया। उन्होंने संयुक्त बंगाल के प्रस्ताव का दृढ़ता से विरोध किया, जिसके कारण आज पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने नई शिक्षा व्यवस्था में भारतीय भाषाओं, संस्कृति और परंपरा को स्थान देने की सोच भी बहुत पहले प्रस्तुत की थी, जो आज देश में नई शिक्षा नीति के माध्यम से साकार हुआ है।

श्री साव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने अनुच्छेद-370 और कश्मीर में लागू परमिट प्रथा का खुलकर विरोध किया। उनका स्पष्ट संदेश था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे। इसी संकल्प के साथ वे बिना अनुमति कश्मीर पहुंचे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर जेल में रखा गया। उन्होंने यातनाएं झेलीं, उचित उपचार नहीं मिला और अंततः राष्ट्र की एकता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनका यह सर्वोच्च बलिदान भारत की एकता और अखंडता के इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संघर्ष केवल उनके जीवनकाल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनके विचारों को साकार करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण रूप से भारतीय संविधान की मुख्य धारा से जोड़ा। साथ ही नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू कर पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे देशों में धार्मिक उत्पीड़न का शिकार होकर भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को सम्मानपूर्वक भारतीय नागरिकता प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह निर्णय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों और उनके संघर्ष को सच्ची श्रद्धांजलि है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा और त्याग का अनुपम उदाहरण : साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह में उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, शिक्षा, त्याग और अखंड भारत के संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। धारा 370 का हटना, अंत्योदय की भावना पर आधारित विकास तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने वाले अनेक निर्णय उनके विचारों को मूर्त रूप देने वाले ऐतिहासिक कदम हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए राज्य के सभी संभागीय एवं जिला मुख्यालयों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इसके लिए 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल एक दूरदर्शी राजनेता ही नहीं, बल्कि विलक्षण शिक्षाविद भी थे। मात्र 33 वर्ष की आयु में विश्वविद्यालय के कुलपति बनने का गौरव प्राप्त करने वाले डॉ. मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की उनकी प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उन्होंने सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 'एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान' की व्यवस्था के विरुद्ध डॉ. मुखर्जी ने ऐतिहासिक संघर्ष किया और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। आज पूरा देश उनके त्याग और राष्ट्रनिष्ठा को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के गौरवशाली इतिहास और भूले-बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों को उचित सम्मान दिलाने का कार्य किया है। हर घर तिरंगा जैसे जनआंदोलन ने राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने भी नया रायपुर स्थित शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के 14 वीर स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में विशेष दीर्घा स्थापित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अंत्योदय के विचारों को आधार बनाकर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश संकल्प पूरे किए गए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जा रही हैं। 500 से अधिक गांवों तक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है, 700 से अधिक मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं तथा बस्तर अंचल में व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार अभियान संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रसेवा, शिक्षा, त्याग और समर्पण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलसचिव डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटेल, प्रबुद्धजन, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन हेतु निःशुल्क ई-सुविधा केंद्र शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। हज यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी ने मुखर्जी बड़ा, बैरन बाजार स्थित अपने कार्यालय में नि:शुल्क ई-हज सुविधा केंद्र प्रारंभ किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने आज बताया कि इस केंद्र के माध्यम से हज 2027 के इच्छुक आवेदकों के ऑनलाइन आवेदन नि:शुल्क भरे जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन बेग ने बताया कि अनेक आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरने में कठिनाई होती है। ऐसे में समय सीमा के भीतर आवेदन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से यह विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हज कमेटी ऑफइंडिया द्वारा हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य है।

श्री बेग ने हज यात्रा के इच्छुक सभी आवेदकों से निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व अपना ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी कार्यालय में इसके लिए एक विशेष काउंटर स्थापित किया गया है, जहां आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आवेदक अपना ऑनलाइन आवेदन भरवा सकते हैं। अधिक जानकारी अथवा ऑनलाइन आवेदन संबंधी सहायता के लिए कार्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी, मुखर्जी बड़ा, बैरन बाजार, रायपुर अथवा दूरभाष क्रमांक 0771-4266646 पर संपर्क किया जा सकता है।

बस्तर में बैंक सखियां बन रहीं ग्रामीणों की आर्थिक संबल, घर-घर पहुंच रही बैंकिंग सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर जिले के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में बैंक सखियां ग्रामीणों के लिए भरोसेमंद बैंक मित्र बनकर उभरी हैं। उनकी सक्रिय सेवाओं से अब ग्रामीणों को बैंकिंग कार्यों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होने से जहां समय और धन की बचत हो रही है, वहीं शासकीय योजनाओं की राशि भी हितग्राहियों तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंच रही है।

बस्तर जिले में वर्तमान में 141 बैंक सखियां माइक्रो एटीएम एवं आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के माध्यम से नकद निकासी, नकद जमा, बैलेंस जांच, धन अंतरण सहित विभिन्न बैंकिंग सेवाएं ग्रामीणों तक पहुंचा रही हैं। इसके साथ ही वे ग्रामीणों को डिजिटल भुगतान, सुरक्षित बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता के प्रति भी जागरूक कर रही हैं, जिससे गांवों में डिजिटल वित्तीय लेन-देन को लगातार बढ़ावा मिल रहा है।

जून माह के दौरान बैंक सखियों ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के हजारों हितग्राहियों को घर के पास ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराईं। पेंशन योजनाओं के 3,166 हितग्राहियों को 28 लाख 67 हजार 565 रुपए, महतारी वंदन योजना के 4,097 हितग्राहियों को 38 लाख 82 हजार 470 रुपए, स्वयं सहायता समूहों के 22,367 हितग्राहियों को 2 करोड़ 31 लाख 87 हजार रुपए से अधिक, वीबी-जी रामजी (मनरेगा) के तहत 2,103 हितग्राहियों को 15 लाख 46 हजार 179 रुपए तथा अन्य 12,026 वित्तीय लेन-देन के माध्यम से 1 करोड़ 44 लाख 78 हजार रुपए से अधिक की राशि का सफलतापूर्वक भुगतान किया गया। बैंक सखियों की सेवाओं का सबसे अधिक लाभ बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा दूरस्थ ग्रामों में रहने वाले ग्रामीणों को मिल रहा है। अब उन्हें बैंक शाखाओं तक पहुंचने में समय और अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ता। घर के निकट ही सम्मानपूर्वक बैंकिंग सेवाएं मिलने से उनकी दैनिक जिंदगी अधिक सरल और सुविधाजनक हुई है। इसके साथ ही बैंक सखियां स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, छोटे व्यापारियों और ग्रामीण परिवारों को नियमित बचत, बैंक खातों के उपयोग तथा डिजिटल भुगतान के लिए प्रेरित कर रही हैं।

अधिक वर्षा की स्थिति में किसान लेही पद्दति से धान की करें बुआई

मानसूनी वर्षा की वर्तमान स्थिति के दृष्टिगत किसानों को कृषि वैज्ञानिकों की सलाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर क्षेत्र के मार्ग से सामान्यत: 14 जून के आसपास मानसून वर्षा का आगमन होता है, किन्तु इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के कारण बस्तर में लगभग 10 दिन विलंब से मानसून आया है।

वर्तमान में प्रदेश के समस्त कृषि जलवायु क्षेत्रों जैसे बस्तर का पठार, छत्तीसगढ़ का मैदान एवं छत्तीसगढ के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र में मानसून पहुंच गया है। सामान्यत: जून के माह में छत्तीसगढ़ में लगभग 21 से.मी. वर्षा होती है, किन्तु इस वर्ष जून के माह में 40 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। आगामी 8 जुलाई तक पूरे राज्य में व्यापक वर्षा होने का आसार हैं। वर्तमान में बिलासपुर एवं सरगुजा संभाग को छोड़कर पूरे प्रदेश में लगभग सामान्य वर्षा दर्ज की गई है। विगत पांच दिनों में उपरोक्त दोनों संभागों को छोड़कर शेष क्षेत्रों में व्यापक वर्षा हुई है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि मानसून के देरी से आने के पश्चात् भी विगत 1 जुलाई से 6 जुलाई तक छत्तीसगढ का मैदानी भाग एवं बस्तर का पठार में अधिक वर्षा होने के कारण मानसून का अब तक का कोटा लगभग पूरा हो चुका है। अत: इस प्रकार लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए किसान बन्धुओं को सलाह दी जाती है कि खेतों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता होने पर मचाई कर नर्सरी उपलब्ध होने पर रोपाई करें अथवा नर्सरी की अनुपलब्धता पर लेही विधि से अंकुरित बीजों को मचाई किये हुए खेतों में ड्रम सीडर एवं छिटकवा विधि से बुवाई करें। साथ ही नर्सरी एवं बीजों को कवकनाशी (कार्बेन्डाजिम) एवं जैव उर्वरकों से उपचारित कर रोपाई एवं बुवाई करें।

इस वर्ष अषाढ़ माह 1 जुलाई से प्रारंभ हुआ है। अषाढ़ माह से प्रारंभ होकर सावन मास की हरियाली अमावस्या अर्थात हरेली तिहार तक हम खरीफ फसल की बुआई एवं रोपाई कर सकते हैं। इस बार हरेली 12 अगस्त को मनाई जाएगी। जो किसान भाई धान की सीधी बुआई करते हैं उन्हें परामर्श है कि जमीन में बतर की स्थिति में 15 जुलाई तक धान की बुआई कर लेवें। रोपाई एवं बियासी पद्धति से धान की खेती करने वाले किसान भाई 30 जुलाई तक रोपाई एवं बियासी का कार्य कर लेवें। किसी असामान्य परिस्थिति के कारण विलंब होने से यदि आप हरेली तक भी बुआई रोपाई का कार्य करते हैं तो फसल के उत्पादन में ज्यादा नुकसान नहीं होगा

चूंकि इस बार मानसून विलंब से आया है इसलिए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि इस वर्ष धान की शीघ्र एवं मध्यम अवधि में पकने वाली प्रजातियाँ जो कि 125-130 दिन तक पक जाती है जैसे- इन्द्रावती धान, बस्तर धान-1, छत्तीसगढ़ बारानी धान, इंदिरा एरोबिक धान, एम.टी.यू. 1010, एम.टी.यू. 1153, एम.टी.यू. 1156, एम.टी.यू. 1001, विक्रम टी.सी.आर., छत्तीसगढ़ धान 1919, छत्तीसगढ़ तेजस्वी धान, महामाया आदि का उपयोग करें। एक एकड़ में सीधी बुआई एवं बियासी के लिए 30 कि.ग्रा., रोपा पद्धति में 20 कि.ग्राम तथा हाइब्रिड प्रजाति के लिए 6 कि.ग्रा. बीज का उपयोग करें। जिन खेतों में अधिक जल भराव हो गया है तथा वर्षा रुक नहीं रही हो तो लेही पद्धति से धान की बोआई करें। इस विधि में धान के अंकुरित बीजों की खेत में बुआई की जाती है

बुआई के पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम या किसी अन्य कवकनाशी दवा से उपचारित कर लें। 1 किलो बीज के लिए ढाई ग्राम दवा का प्रयोग करें। भूमि में नाइट्रोजन फास्फोरस एवं पोटेशियम की पूर्ति के लिए जैव उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। धान में एजोस्पाइरिलम, पी.एस.बी., के.एस.बी. का उपयोग करना चाहिए। इन तीनों तरल जैव उर्वरकों की 2-2 मि.ली. मात्रा अर्थात 6 मि.ली. तरल पदार्थ 4 मि.ली. पानी में मिला लें। इस प्रकार तैयार 10 मि.ली. के घोल से 1 कि.ग्रा. धान बीज को उपचारित कर दें। यह उपचार पौधों को लगभग 12 कि.ग्रा. नाइट्रोजन 8 कि.ग्रा. फास्फोरस एवं 5 कि.ग्रा. पोटेशियम प्रति एकड़ प्रदान करेगा।

सहकारिता से समृद्धिः रायपुर में 'सहकारी सप्ताह' का भव्य समापन

सहकारिता मंत्री कश्यप ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का किया अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार द्वारा गठित 'सहकारिता मंत्रालय' की स्थापना के सफल 5 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारी सप्ताह का भव्य समापन जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के प्रांगण में हुआ। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के सहकारिता एवं वन मंत्री केदार कश्यप उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा बैंक के संस्थापक पं. वामन बलीराम लाखे के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर समारोह की शुरुआत की गई। इसके साथ ही बैंक परिसर में 'छत्तीसगढ़ महतारी' की प्रतिमा का गरिमामय अनावरण भी किया गया।

समारोह के दौरान देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के भाषण का यूट्यूब चैनल के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। अपने संबोधन में शाह ने सहकारिता के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलावों का जिक्र किया, जिनमें 50,000 पैक्स को ई-पैक्स में बदलना, त्रिभुवन सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना,दुनिया की सबसे बड़ी अन्न गोदाम श्रृंखला का निर्माण,सहकारी समितियों को कॉमन सर्विस सेंटर बनाना और देश भर में भारत टैक्सी सेवा की शुरुआत आदि कार्य शामिल हैं। बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपेक्षा व्यास ने प्रगति प्रतिवेदन पढ़ते हुए बैंक की शानदार उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष (31 मार्च 2026) की स्थिति में बैंक को 216 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक सकल लाभ हुआ है। केंद्र सरकार की 'सहकार से समृद्धि' योजना के तहत बैंक द्वारा किए जा रहे प्रमुख कार्य हैं जिसमें माइक्रो एटीएम: बैंक से जुड़ी 682 सहकारी समितियों और 98 डेयरी समितियों में माइक्रो एटीएम का संचालन। कॉमन सर्विस सेंटर: समितियों के माध्यम से नागरिकों को 32 जरूरी सेवाएं दी जा रही हैं। जन औषधि केंद्र: 12 प्राथमिक सहकारी समितियों द्वारा सस्ते इलाज के लिए जन औषधि केंद्रों का संचालन। उज्ज्वला योजना: दुर्गम क्षेत्रों की 10 सहकारी समितियों के माध्यम से एलपीजी गैस का वितरण। इसके साथ ही पैक्स का कंप्यूटरीकरण और 132 नवीन सहकारी समितियों का गठन किया गया है।

सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में सफल कार्यक्रम के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पैक्स, डेयरी और मत्स्य पालन जैसी लगभग 1300 सहकारी समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करें और जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाएं। उन्होंने कहा कि किसानों को क्वांटिटी (मात्रा) के स्थान पर क्वॉलिटी (गुणवत्ता) वाली खेती पर ध्यान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि और सहकार भारती के प्रदेश महामंत्री कनीराम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना से 2021 में सहकारिता मंत्रालय बना, जिसने इस क्षेत्र को नई मजबूती दी है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें इस दिशा में काम करना होगा ताकि हमारे अन्नदाता (किसानों) को कभी कर्ज लेने की आवश्यकता ही न पड़े। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता ने भी सहकारिता के क्षेत्र में पारदर्शिता और कृषि नवाचार पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला सहकारी बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री निरंजन सिन्हा ने सहकारिता मंत्री का आभार व्यक्त किया, वहीं उपाध्यक्ष श्री अभिनेष कश्यप ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

फीमेल एक्टर्स को हल्के में लिया जाता है

कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री के जेंडर बायस पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म में उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। अब इस बीच कृति अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में आ गई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले जेंडर बायस पर खुलकर अपनी राय रखी है।

कृति सेनन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने साथ हुए जेंडर बायस के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि फीमेल एक्टर्स को अक्सर उनके मेल काउंटरपार्ट्स से अलग तरह से जज किया जाता है। कृति ने इंडस्ट्री में काम करने के स्ट्रगल के बारे में बात की और बताया कि असिस्टेंट डायरेक्टर्स अक्सर मेल स्टार्स से डरते हैं, जबकि फीमेल एक्टर्स को अक्सर हल्के में लिया जाता है।

कृति ने बताया कि अगर कोई एक्ट्रेस अपने किरदार या सीन को लेकर सवाल पूछती है तो उसे जरूरत से ज्यादा सवाल करने वाली समझ लिया जाता है, जबकि यही काम कोई मेल स्टार करे तो उसकी तारीफहोती है। एक्ट्रेस ने कहा, जब कोई फीमेल एक्टर सवाल पूछती है, तो ऐसा होता है, कितने सवाल पूछती है ये, अरे 50 सवाल शुरू हो जाएंगे। मुझे लगता है कि इस तरह की बातचीत होती है। इसके उलट, जब कोई मेल स्टार सवाल पूछता है, तो उसे बहुत इन्वॉल्व्ड कहा जाता है। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है। जब मैंने वही सवाल पूछे, तो मुझसे कहा गया, इसे ओवरएनालाइज़ मत करो। लेकिन जब ये बात उस लड़के की तरफ से आई, तो उन्होंने कहा, ठीक है, ये किया जा सकता है।

कृति ने आगे कहा, कई बार ये छोटी-छोटी बातें होती हैं जैसे मेल एक्टर को कैसी कार या कमरा दिया गया और मुझे कैसा कमरा दिया गया। मेरा मतलब है कि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, भले ही मुझे छोटा कमरा या कार मिले, लेकिन इससे मुझे कम महसूस नहीं होता।

वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति हाल ही में फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला।

'एक समय टीवी एक्टर्स को बहुत पैसे मिलते थे', सरगुन मेहता ने बताया कैसे एक घटना ने उन्हें बना दिया प्रोड्यूसर

सरगुन मेहता ने टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफर तय किया है। अब वो पंजाबी इंडस्ट्री की सफल प्रोड्यूसर और एक्ट्रेस हैं। अपने करियर को लेकर सरगुन का कहना है कि उनका करियर खुद को नए सिरे से ढालने, अपनी समझ और रिस्क लेने की हिम्मत से बना है।

फीस नहीं मिली तो मुनाफे में मांगा हिस्सा

टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए सरगुन ने पंजाबी सिनेमा में मशहूर होने से पहले टीवी के सुनहरे दौर को याद किया। उन्होंने कहा कि टीवी पर एक ऐसा समय आया था जब एक्टर्स को बहुत ज्यादा पैसे मिलते थे। टीवी का जबरदस्त दौर चल रहा था। शो बहुत अच्छा कर रहे थे।

मुझे याद है कि 'नच बलिए' के समय ऐसा लगता था कि लोग इस डांस शो के अलावा कुछ और नहीं देख रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रोडक्शन में उनका आना किसी लंबे समय के प्लान की वजह से नहीं, बल्कि हालात की वजह से हुआ। पंजाबी फिल्म 'काला शाह काला' (2019) के बारे में बात करते हुए मेकर्स ने उनसे कहा कि वे उनकी एक्टिंग फीस नहीं दे सकते।

वह याद करते हुए कहती हैं कि मैंने कहा, 'ठीक है, क्या मैं कम से कम स्क्रिप्ट सुन सकती हूं?' स्क्रिप्ट सुनने के बाद मैंने उनसे कहा, 'मुझे पैसे मत दो। मुझे मुनाफे में हिस्सा दो और मुझे प्रोड्यूसर के तौर पर क्रेडिट दो।' इस समझौते के बाद उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की और फिर उन्होंने और उनके पति रवि दुबे ने 'उड़ारियां' (2021) के साथ टीवी प्रोडक्शन में कदम रखा।

एक्टिंग के साथ प्रोड्यूसर बनकर खुश हैं सरगुन

सरगुन के लिए फिल्म बनाना बजट के साइज से ज्यादा प्रोजेक्ट के पीछे के पक्के इरादे पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि जो इंसान सच में फिल्म बनाना चाहता है, वह दो लाख रुपये में भी एक बेहतरीन फिल्म बना सकता है।

अच्छी फिल्म के लिए पैसे की नहीं, इरादे की जरूरत होती है। आप कुछ फिल्में कमर्शियल वजहों से करते हैं और कुछ फिल्में अपने लिए करते हैं। फिलहाल मैं अपनी एक्टिंग की यात्रा जारी रखते हुए टीवी शो और फिल्में प्रोड्यूस करके खुश हूं।

दुल्हन जैसी सजीं शनाया कपूर मानसून के दिनों में शेयर कीं तस्वीरें

अभिनेत्री शनाया कपूर ने मानसून के दिनों में सोशल मीडिया पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में वह दुल्हन जैसी लग रही हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक बेहतरीन कैप्शन लिखा है। उनकी तस्वीरों पर उनकी मां समेत कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं।

शनाया कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने लहंगा और टॉप पहना है। उन्होंने गहने पहने हैं। एक हाथ में भर कर चूड़ियां पहनी हैं। उनकी मांग का टीका उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहा है।

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा बारिश के दिनों में धूप जैसी चमको। शनाया की तस्वीरों पर उनकी मां ने दिल और नजर वाला इमोजी कमेंट किया है, ताकि उन्हें नजर ना लगे। भावना पांडे ने उन्हें खूबसूरत लड़की कहा है। एक और यूजर ने लिखा आप बहुत ही सुंदर हैं।

शनाया कपूर को आखिरी बार फिल्म तू या मैं में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी थी। शनाया 2025 में विक्रांत मैसी के साथ आंखों की गुस्ताखियां में नजर आ चुकी हैं।

'पिता मुख्यमंत्री हैं, तभी काम मिलता है'

रितेश देशमुख को इंडस्ट्री से मिले थे ताने, एक्टर ने साझा किया किस्सा

बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' को होस्ट कर रहे हैं। शो पर हाल ही में रितेश ने फिल्म इंडस्ट्री में आने पर मिले लेबल्स और लोगों की सोच से उबरने के बारे में खुलकर बात की। शो के लेटेस्ट एपिसोड में कंटेस्टेंट्स के साथ हुई बातचीत के दौरान एक्टर ने महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री के बेटे होने के टैग और खुद को साबित करने में बिताए कई साल के बारे में बात की।

सच्चाई जाने बिना दुनिया ने धारणा बना ली

एक टास्क से पहले कंटेस्टेंट योगेश रावत ने बताया कि कंगना रनौत के उन्हें चीटर कहने से उन्हें कितना दुख हुआ, जबकि उन्हें उनकी पूरी कहानी पता भी नहीं थी। योगेश ने कहा, 'उन्हें यह भी नहीं पता कि मुझ पर सिर्फ आरोप लगा है या यह सच भी है। मैं इस बात को उठाना भी नहीं चाहता क्योंकि यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक अनुभव था।

लोगों ने इसे बार-बार दोहराकर सच मान लिया है, जबकि ऐसा नहीं है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है कि पूरी सच्चाई जाने बिना दुनिया ने एक धारणा बना ली है। अब जब मैं इस शो का हिस्सा हूं, तो एक गेस्ट मुझे चीटर कह रहा है।

मुझ पर भी लगे टैग, तोड़ने में लगे 23 साल और 60 फिल्में

योगेश की बात का जवाब देते हुए रितेश ने बताया कि मेहमान सिर्फदर्शकों की सोच को दिखाते हैं और उसी सोच को घर के अंदर लाते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'सोच या धारणा वैसी ही बनती है जैसा आप बाहर दिखाते हैं। हम सभी इस दौर से गुजरे हैं। जब मैंने अपनी पहली फिल्म की थी, तब मेरे पिता महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे।

जब मैंने शुरुआत की, तो सब कहते थे, 'इनके पिता मुख्यमंत्री हैं, इसलिए इन्हें काम मिलता है और इसलिए इनकी फिल्में अच्छा करती हैं।' मैं भी इस दौर से गुजरा हूं। तेईस साल और 60 फिल्मों के बाद आज मैं उन सभी टैग्स को तोड़कर आपके सामने खड़ा हूं। कुछ ठप्पों को तोड़ने में समय और मेहनत लगती है, लेकिन अगर आप ठान लें, तो वे टूट ही जाते हैं।'

रितेश के पिता विलासराव देशमुख थे महाराष्ट्र के सीएम

रितेश देशमुख के पिता विलासराव देशमुख महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री थे। रितेश ने 2003 में 'तुझे मेरी कसम' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। हाल ही में रितेश 'राजा शिवाजी' में नजर आए थे। इसे डायरेक्ट और प्रोड्यूस भी उन्होंने ही किया है।

घर की खिड़कियों पर लगाएं ये 5 पौधे, बढ़ जाएगी सुंदरता

घर की खिड़कियां न केवल प्राकृतिक रोशनी को अंदर लाती हैं, बल्कि आपके घर के माहौल को भी बेहतर बनाती हैं। सही पौधों का चयन करके आप अपने घर को ताजगी और हरियाली से भरपूर बना सकते हैं। इन पौधों से न केवल आपके घर का लुक अच्छा लगेगा, बल्कि वे हवा को भी साफकरेंगे और आपको मानसिक शांति प्रदान करेंगे। आइए जानते हैं कि घर की खिड़कियों पर कौन-से 5 पौधे लगाने चाहिए।

एलोवेरा

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो कम देखभाल मांगता है और इसे ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती। इसे आप अपनी रसोई की खिड़की पर रख सकते हैं। यह न केवल आपके घर की सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि इसके जेल का उपयोग त्वचा संबंधी समस्याओं के इलाज में भी किया जा सकता है। इसके अलावा एलोवेरा की ताजगी भरी खुशबू आपकी रसोई को एक नया रूप देगी। इसका जेल खान-पान में भी काम आता है।

नागफनी पौधा

नागफनी पौधा एक ऐसा अनोखा पौधा है, जो ऑक्सीजन का उत्पादन करता है और रात के समय कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर लेता है, जिससे आपकी नींद बेहतर होती है। इसे आप अपने बेडरूम की खिड़की पर रख सकते हैं। यह पौधा न केवल देखने में अच्छा लगता है, बल्कि यह हवा से हानिकारक तत्वों को भी दूर करता है। इसके अलावा नागफनी पौधा आपके कमरे को ताजगी भरी खुशबू भी देता है।

स्पाइडर पौधा

स्पाइडर पौधा एक खास प्रकार का पौधा है, जो प्रदूषक तत्वों को अवशोषित करके हवा को साफ करता है। इसे आप अपने लिविंग रूम या बालकनी की खिड़की पर रख सकते हैं। यह पौधा देखने में भी बहुत सुंदर लगता है और इसकी लंबी-लंबी पत्तियां किसी मकड़ी के जाले जैसी लगती हैं, इसलिए इसे स्पाइडर पौधा कहा जाता है। इसके अलावा स्पाइडर पौधा आपके कमरे को ताजगी भरी खुशबू भी देता है।

पेस्लीया

पेस्लीया एक ऐसा पौधा है, जो कम रोशनी में भी अच्छे से बढ़ता है। इसे आप अपने काम की जगह की खिड़की पर रख सकते हैं, ताकि काम करते समय आपको एक ताजगी भरी अनुभूति मिले। यह पौधा देखने में भी बहुत आकर्षक लगता है और इसकी पत्तियां हरी-भरी होती हैं। इसके अलावा पेस्लीया पौधा हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है, जिससे आपके काम की जगह का माहौल और भी बेहतर बनता है।

मनी प्लांट

मनी प्लांट एक ऐसा पौधा है, जिसे आप किसी भी प्रकार की खिड़की पर रख सकते हैं। इसकी लटकती हुई बेलें आपके घर को एक अलग ही रूप देती हैं। मनी प्लांट कमरे की नमी को संतुलित रखता है और हवा से हानिकारक तत्वों को दूर करता है। इसके अलावा यह देखने में भी सुंदर लगता है और इसकी देखभाल करना आसान होता है। घर की खिड़कियों पर सही पौधों का चयन घर को एक नया जीवन दे सकता है।

खास खबर

बलौदाबाजार वनमंडल ने की बारनावापारा- सिरपुर पर्यटन सर्किट : द सेक्रेड गारलैंड की शुरुआत

रायपुर। वन्यजीवों की सुरक्षा और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए बारनावापारा वन्यजीव अभयारण्य 1 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। हर वर्ष मानसून के दौरान वन्यजीवों के प्रजनन काल को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया जाता है। हालांकि, इस दौरान पर्यटकों को प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने के लिए बलौदाबाजार वनमंडल ने बारनावापारा सिरपुर पर्यटन सर्किट : द सेक्रेड गारलैंड की शुरुआत की है। इस पहल के माध्यम से राजधानी रायपुर के आसपास स्थित प्राकृतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों को एक पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस पर्यटन सर्किट में सिरपुर, धसकुंड जलप्रपात, तुरतुरिया ईको कल्चरल सेंटर, गिरौदपुरी धाम, सिद्धखोल जलप्रपात, सोनाखान, शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक, देवपुर नेचर कैंप, अचानकपुर का देव हिल्स ईको एथनिक स्टे, कोडार जलाशय सहित कई प्रमुख पर्यटन स्थल शामिल हैं। यहां पर्यटक हरियाली, झरनों, पहाड़ियों, वन क्षेत्र, धार्मिक स्थलों, पुरातात्विक धरोहरों और जनजातीय संस्कृति का अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। मानसून के मौसम में पूरा क्षेत्र हरियाली से भर जाता है, जिससे इसकी प्राकृतिक सुंदरता और भी बढ़ जाती है।

32 हजार 865 किसानों तक पहुंची सम्मान निधि की सहायता

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में किसान कल्याण को नई मजबूती मिल रही है। जिले ने योजना के क्रियान्वयन में 80 प्रतिशत प्रगति हासिल कर यह साबित किया है कि किसानों तक केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से आर्थिक सहायता मिलने से खेती-किसानी के लिए आवश्यक कृषि निवेश आसान हुआ है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है। 30 जून 2026 की स्थिति के अनुसार जिले के कुल 40 हजार 850 किसानों में से 33 हजार 59 किसानों का प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में पंजीयन किया जा चुका है। इनमें से 32 हजार 865 किसान योजना के अंतर्गत नियमित रूप से लाभ प्राप्त कर रहे हैं। योजना के माध्यम से पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की वित्तीय सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जाती है। यह राशि किसानों को बीज, उर्वरक, कीटनाशक सहित अन्य कृषि आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है। जिला प्रशासन शेष पात्र किसानों को भी योजना से जोड़ने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। इसके तहत ई-केवाईसी, आधार सत्यापन, बैंक खाते के प्रमाणीकरण तथा नए पंजीयन की प्रक्रिया निरंतर जारी है, ताकि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे। प्रशासन का उद्देश्य जिले के प्रत्येक पात्र किसान तक योजना का लाभ सुनिश्चित करना है।

सहकारिता बनेगी किसानों की समृद्धि का नया आधार - विजय शर्मा

आधुनिक कृषि तकनीकों, सामूहिक भागीदारी और सहकारिता आधारित आर्थिक विकास पर दिया गया विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित सहकारिता सप्ताह का समापन कबीरधाम जिले के पीजी कॉलेज डोम, कवर्धा में जिला स्तरीय कृषक संगोष्ठी के साथ हुआ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक भावना बोहरा भी उपस्थित रहीं। संगोष्ठी के माध्यम से किसानों को सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से आर्थिक समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि सहकारिता सप्ताह का समापन किसी अभियान का अंत नहीं, बल्कि नए संकल्प और नई शुरुआत का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज हमें सहकारिता को नई दिशा देने का संकल्प लेना होगा और इसे केवल पारंपरिक गतिविधियों तक सीमित न रखकर बहुआयामी विकास का मजबूत माध्यम बनाना

होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता का वास्तविक अर्थ है, सभी लोगों का एकजुट होकर साझा उद्देश्य के लिए कार्य करना। आज सहकारिता के माध्यम से धान उपार्जन और बैंकिंग जैसी व्यवस्थाएं सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि इसे कोल्ड स्टोरेज, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, पशुपालन, गैस एजेंसी संचालन तथा अन्य रोजगारमूलक गतिविधियों तक भी विस्तारित किया जाए। इससे किसानों और ग्रामीणों की आय बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि जिले में पहले 90 सहकारी समितियां थीं, लेकिन अब 40 नई समितियों के गठन के बाद उनकी संख्या बढ़कर 138 हो गई है। उन्होंने कहा कि आज महान शिक्षाविद् और राष्ट्रचिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती भी है। इसी ऐतिहासिक तिथि पर भारत सरकार ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य सहकारिता के माध्यम से समावेशी और संतुलित विकास सुनिश्चित करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में सहकारिता की भावना स्वाभाविक रूप से मौजूद है। बस्तर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां लोग मिल-जुलकर अनेक कार्य करते हैं, जो सहकारिता की सशक्त मिसाल है। उन्होंने कहा कि कबीरधाम का शक्कर कारखाना भी सहकारिता मॉडल की सफलता का उदाहरण है। गुजरात के बनासकांठा के अनुभव साझा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि वहां सहकारिता के माध्यम से दुग्ध उत्पादन के साथ कई मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जाते हैं और उसका लाभांश सभी सदस्यों में वितरित होता है। उन्होंने किसानों से सहकारिता को बहुआयामी जनआंदोलन बनाकर नए क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि सहकारिता का अर्थ है, साथ मिलकर कार्य करना और एक-दूसरे का सहयोग करना। उन्होंने कहा कि भारत के गांवों में प्राचीन काल से ही सहकारिता की भावना जीवंत रही है। गांवों में सुख-दुख, खेती-किसानी और सामाजिक कार्यों में लोग हमेशा मिलकर एक-दूसरे का साथ देते आए हैं, यही सहकारिता की वास्तविक पहचान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद इस क्षेत्र को नई दिशा और गति मिली है तथा आज मंत्रालय के पाँच वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।

पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा किसानों की मेहनत और समर्पण ने बनाया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता की वास्तविक ताकत और महत्व को सबसे बेहतर किसान ही समझते हैं। सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद इस क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है और यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि जनभागीदारी का सशक्त आंदोलन बनकर उभरा है।

कार्यक्रम में 08 किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण, मछली कीट प्रदान किया। कार्यक्रम में निबंध, प्रश्नोत्तरी और चित्रकला प्रतियोगिता में 15 विजेता बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष बिसेषर पटेल, कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, पुलिस प्राधिकरण सदस्य भगत पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, किसान एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

अबूझमाड़ के जंगलों में महकेगी कॉफी, बस्तर में कृषि-क्रांति की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के वन क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक बेहद अनूठी पहल की है। बस्तर के इस अंचल में अब बड़े पैमाने पर कॉफी की खेती प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है। इसी सिलसिले में कलेक्टर नारायणपुर ने भारत सरकार के कॉफी बोर्ड के विशेषज्ञों के साथ कुतुल, कच्चापाल, कोडलियार, ईरकभट्टी और तोके सहित आस-पास के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का विस्तृत जमीनी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कॉफी बोर्ड के विशेषज्ञ दल ने क्षेत्र की जलवायु, वार्षिक वर्षा, तापमान, मिट्टी की प्रकृति और समुद्र तल से ऊंचाई का गहन वैज्ञानिक अध्ययन किया। बोर्ड के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अबूझमाड़ का प्राकृतिक वातावरण कॉफी उत्पादन के लिए पूरी तरह अनुकूल है। यहाँ 'कॉफी आधारित

कृषि वानिकी मॉडल' विकसित कर बड़े पैमाने पर स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कॉफी के पौधों का करीब चार वर्षों तक रख-रखाव करने के बाद व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो जाता है। इसके बाद यह ग्रामीणों के लिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी नियमित आय का जरिया बनेगा। इस पूरी परियोजना में स्थानीय स्व-सहायता समूहों (स्।त्रह्य) और ग्रामीणों की सीधी भागीदारी तय की जाएगी, जिससे हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सके। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य अबूझमाड़ के अनुकूल प्राकृतिक वातावरण का सही उपयोग करना, वनों का संरक्षण करना और स्थानीय ग्रामीणों को आय का एक स्थायी व मजबूत जरिया देना है। प्रारंभिक चरण में भूमि का चयन कर प्लांटेशन और स्थानीय स्तर पर नर्सरी की शुरुआत की जा रही है।

कॉफी बोर्ड के अधिकारियों के सुझाव पर कलेक्टर ने जिले के कृषि अधिकारियों और कर्मचारियों को तकनीकी प्रशिक्षण के लिए ओडिशा के कोरापुट भेजने के निर्देश दिए हैं। वहाँ अधिकारी कॉफी उत्पादन, पौध प्रबंधन, पर्यावरणीय आवश्यकताओं और तकनीकी पहलुओं की बारीकियों को सीखेंगे, ताकि वे आकर स्थानीय किसानों का मार्गदर्शन कर सकें।

विशेषज्ञ दल के साथ चर्चा के दौरान यह बात भी सामने आई कि अबूझमाड़ की वादियाँ चाय की खेती के लिए भी उपयुक्त हैं। इस पर कलेक्टर ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए ।

इस महत्वपूर्ण दौरे में भारत सरकार कॉफी बोर्ड से उप निदेशक, आंध्र प्रदेश, प्रभारी अधिकारी, क्षेत्रीय कॉफी अनुसंधान केंद्र, आंध्र प्रदेश, वरिष्ठ संपर्क अधिकारी, कोरापुट, जिला उप संचालक कृषि और जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

महतारी वंदन योजना बनी सुनीता साहू के बच्चों की बेहतर शिक्षा का आधार

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना जिले की हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं को न केवल आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण सहयोग दे रही है। जिले के ग्राम लिम्हा की निवासी श्रीमती सुनीता साहू भी इस योजना का लाभ उठाकर अपने परिवार के भविष्य को संवार रही हैं। उन्हें प्रतिमाह मिलने वाली 01 हजार रुपये की सहायता राशि बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने का अवसर दे रही है। सुनीता ने बताया कि इस राशि से वे अपने बच्चों की स्कूल वैन का किराया और पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रही हैं। पहले बच्चों की पढ़ाई से जुड़े खर्चों का प्रबंधन करना कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाता था, लेकिन अब महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित सहायता ने काफी राहत दी है। इससे बच्चों की पढ़ाई बिना किसी बाधा के जारी है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी पहले से अधिक संतुलित हुई है। उन्होंने बताया कि योजना से मिलने वाली राशि छोटी जरूर है, लेकिन नियमित रूप से मिलने के कारण यह परिवार के लिए बड़ा सहारा बन गई है। इससे बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देना आसान हुआ है और भविष्य को लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

पर्यटन के नए दौर की ओर बढ़ा बलौदाबाजार जिला, छुइहा जलाशय से गिरौदपुरी धाम तक होगा व्यापक विकास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले को पर्यटन की दृष्टि से नई पहचान दिलाने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए पर्यटन विकास की व्यापक कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के सुनियोजित विकास, पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं के विस्तार तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि जिले में प्राकृतिक, धार्मिक और पारिस्थितिक पर्यटन

की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इन संभावनाओं का समुचित उपयोग करते हुए पर्यटन स्थलों का चरणबद्ध विकास किया जाएगा, जिससे जिले की पहचान मजबूत होने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि चिन्हित पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों में तेजी लाते हुए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

बैठक में शहर के निकट स्थित छुइहा जलाशय के सौंदर्यीकरण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। कलेक्टर ने इसे जिले के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश दिए। जलाशय क्षेत्र में पर्यटकों के लिए आकर्षक वातावरण, आवश्यक आधारभूत सुविधाएं तथा मनोरंजन के अवसर विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही जलाशय की भूमि पर हुए अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधन विभाग को तत्काल कार्रवाई करने तथा संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में खोरसी नाला पर नवीन कृषि उपज मंडी के समीप चेक डेम निर्माण और व्यापक वृक्षारोपण, सोनबरसा जंगल सफारी में पर्यटक सुविधाओं का विस्तार, गिरौदपुरी धाम के विकास तथा गिधौरी के समीप महानदी तट के सौंदर्यीकरण जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इन परियोजनाओं के माध्यम से जिले में प्रकृति, धार्मिक और इको-टूरिज्म को नई पहचान देने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

पर्यटन गतिविधियों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हीरा स्व-सहायता समूह द्वारा छुइहा जलाशय में बोटिंग संचालन के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। समिति ने सुरक्षा मानकों और आवश्यक सुविधाओं का परीक्षण कराने के बाद इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। इससे महिला स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और स्थानीय आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।

करियर, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास पर साझा किए प्रेरक विचार

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और संकल्प का प्रेरक उदाहरण : ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रखर पुरोधा, प्रखर शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय में व्याख्यान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने भारत माता एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया तथा उनके राष्ट्रनिर्माण में योगदान को नमन किया।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग, शिक्षा, सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा और अदम्य साहस का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने व्यक्तिगत हितों से ऊपर राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान दिया और भारतीय लोकतंत्र तथा राष्ट्रीय एकता को नई दिशा प्रदान की। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। इस अवसर पर उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्र के प्रति योगदान का भी स्मरण किया।

युवाओं को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन, निरंतर परिश्रम और सकारात्मक सोच से प्राप्त होती है। व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही बनता है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्णय से पहले उसके परिणामों पर विचार करना चाहिए तथा अपने निर्णयों की जिम्मेदारी स्वयं स्वीकार करनी चाहिए। असफलताओं के लिए दूसरों को दोष देने के बजाय आत्ममंथन और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अपनानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से आधुनिकता के साथ अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं पर गर्व करने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए प्रशासनिक सेवा, प्रतियोगी परीक्षाओं, महिला सशक्तिकरण, व्यक्तित्व विकास एवं स्वास्थ्य से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रशासनिक सेवा में करियर संबंधी प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल रोजगार नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का प्रभावी माध्यम है। इसके लिए दृढ़ संकल्प, अनुशासित अध्ययन और निरंतर परिश्रम आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी के लिए विशेष योजना के तहत दिल्ली भेज रही है, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा का बेहतर अवसर मिल सके।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर उन्होंने कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। समय का सदुपयोग, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन, आत्मअनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियां भी मजबूत संकल्प रखने वाले व्यक्ति की राह नहीं रोक सकतीं।

महिला सशक्तिकरण पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में वित्त मंत्री ने कहा कि बेटियों की शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के लिए सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि बेटियां आत्मविश्वास के साथ उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाते हुए अपने सपनों को साकार करें। स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों का उत्तर देते हुए श्री चौधरी ने युवाओं को नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और व्यायाम अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही किसी भी बड़ी सफलता की पहली शर्त हैं।

हरी खाद से संवर रही खेतों की सेहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए किसानों को हरी खाद के उपयोग हेतु लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी पहल का सकारात्मक परिणाम सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम केशगंवा में देखने को मिला है, जहां प्रगतिशील किसान नरेंद्र सिंह ने लगभग चार एकड़ भूमि में ढैंचा की फसल उगाकर उसे खेत में पलट दिया है। अब वे इसी खेत में धान की खेती करेंगे। किसान नरेंद्र सिंह ने बताया कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और मिट्टी की उर्वराशक्ति बढ़ाने के उद्देश्य से ढैंचा की खेती अपनाई। यह कुछ ही दिनों में सड़कर प्राकृतिक जैविक खाद में परिवर्तित हो जाती है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

दोपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों और विधि के साथ संघर्षरत एक किशोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अभनपुर थाना क्षेत्र के शनिचरी बाजार से 14 मार्च 2026 को एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी आकाश लहरे (20) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथी संदीप कुमार सिंह (18) और विधि के साथ संघर्षरत एक किशोर के साथ मिलकर वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पूछताछ में आरोपियों ने अभनपुर क्षेत्र से चार और राखी थाना क्षेत्र से एक सहित कुल पांच दोपहिया वाहन चोरी करना कबूल किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने पांचों वाहन बरामद कर लिए। बरामद वाहनों में तीन एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल, एक एक्टिवा स्कूटर और एक लियो मोटरसाइकिल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अभनपुर और राखी थाने में दर्ज मामलों के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुष्कर्म मामले में दो किशोरों को 3 साल के लिए भेजा गया सम्प्रेषण

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के थाना कोनी में 5 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के मामले में दोषी पाये गये 2 किशोरों को किशोर न्याय बोर्ड ने 3 साल के सजा सुनाते हुए सम्प्रेषण गृह भेजा है। 2024 में थाना कोनी में एक 5 वर्षीय बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने संबंधी रिपोर्ट दर्ज की गई थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत तरीके से विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पीड़िता एवं अन्य गवाहों के कथन दर्ज किए गए, आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण कराया गया तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दो विधि से संघर्षरत किशोरों को अभिरक्षा में लेकर उनका भी चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। किशोरों के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 376(डी)(बी) तथा पॉक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 4, 5(आई), 5(एम) एवं 6 के अंतर्गत अभियोग पत्र माननीय किशोर न्याय बोर्ड, बिलासपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर चलाए जा रहे अभियान संवेदना के तहत धरमजयगढ़ पुलिस ने शादी का झूठा झांसा देकर एक युवती का वर्षों तक शारीरिक शोषण करने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जशपुर में बुजुर्ग की हत्या, पारिवारिक विवाद में बहू ने रची साजिश, महिला सहित चार गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में बुजुर्ग की हत्या का मामला पुलिस ने 24 घंटे में सुलझा लिया। शनिवार 4 जुलाई को घर पर बुजुर्ग की संदिग्ध अवस्था में लाश मिली थी। इस मामले में जशपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। खास बात यह है कि वारदात की मास्टरमाइंड बुजुर्ग की बहू निकली। बहू ने पारिवारिक विवाद के कारण बुजुर्ग की हत्या का प्लान बनाया। पुलिस ने इस मामले में बहू सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार 4 जुलाई 2026 को थाना दुलदुला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोड़ाजोर निवासी चुगरू प्रधान (70) अपने घर में मृत अवस्था में पाए गए। उनके हाथ-पैर बंधे हुए थे तथा शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एफएसएल टीम एवं डॉग स्क्वॉड की सहायता से घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए गए। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर सूचना एवं संदेहियों से गहन पूछताछ प्रारंभ की।

विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतक का अपनी बहू सुगंती बेसरा के साथ लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते उसने अपने परिचितों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची, योजना के अनुसार 3 व 4 जुलाई की मध्यरात्रि आरोपी मोटरसाइकिल से बुजुर्ग के घर पहुंचे, दरवाजा खुलवाकर उन्होंने लकड़ी के फट्टे एवं मुक्कों से मारपीट की। इसके बाद बुजुर्ग के हाथ-पैर बांध दिए तथा मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी का फट्टा, मोटरसाइकिल एवं 04 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर सभी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। स अंधे हत्याकांड का त्वरित खुलासा करने में थाना दुलदुला पुलिस, साइबर सेल, एफएसएल टीम एवं विवेचना में शामिल समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनकी सतर्कता, तकनीकी विश्लेषण एवं समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप गंभीर अपराध का 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा संभव हो सका।

गिरफ्तार आरोपी

- सुगंती बेसरा, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम बोड़ाजोर, थाना दुलदुला, जिला जशपुर।
- साहिल उर्फराजा खान, उम्र 22 वर्ष, निवासी थाना दुलदुला, जिला जशपुर।
- आनंद यादव, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम परसाटोली, थाना दुलदुला, जिला जशपुर।
- रोहित सिंह, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम मधुटोली, थाना जशपुर, जिला जशपुर।

चाकू की नोक पर बुजुर्ग दंपत्ति से लूट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। घर में घुसकर बुजुर्ग दंपत्ति को धारदार हथियार दिखाकर सोने का नेकलेस लूट कर भागने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना के मात्र एक दिन के भीतर आरोपी की पहचान कर विधिवत गिरफ्तार करते हुए उसे न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, धारदार हथियार तथा घटना के समय पहने गए कपड़े जप्त किए गए। प्रकरण में धारा 308(2), 351(3), 333, 127(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार पांच जुलाई को प्रार्थी वी. कुमार (59) निवासी शुभकामना हाइट्स, प्रगति नगर, रिसाली

द्वारा थाना नेवई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 4 जुलाई 2026 को वह प्लांट ड्यूटी पर गया हुआ था। इसी दौरान घर में कार्य करने वाली गिरजा यादव ने फोन कर सूचना दी कि फ्लैट क्रमांक-109 स्थित उसके सास-ससुर के घर में एक अज्ञात व्यक्ति चेहरे पर कपड़ा बांधकर घर के भीतर घुसा तथा धारदार हथियार दिखाकर डरा-धमकाते हुए सोने-चांदी एवं नगदी की मांग की। इस दौरान सोने का नेकलेस लेकर फरार हो गया। रिपोर्ट पर थाना नेवई में अपराध क्रमांक 436/2026 धारा 308(2), 351(3), 333, 127(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, प्रार्थी एवं गवाहों के कथन तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर विभान्शु महोबिया (21) को गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से सकई वायकला, पोस्ट डेकी बम्हनी बंजर, थाना बम्हनी बंजर, जिला मंडला मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

हाल के दिनों में वह हॉस्पिटल सेक्टर, सड़क क्रमांक-10, ब्लॉक-2, मकान क्रमांक-09 में रह रहा था। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, धारदार हथियार तथा घटना के समय पहने गए कपड़े जब्त किए गए। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर सोमवार को उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में थाना नेवई की क्राइम टीम, थाना प्रभारी नेवई, उपनिरीक्षक सुरेंद्र तारम, प्रधान आरक्षक नंदलाल तथा आरक्षक रवि बिसाई की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा डायल-112 पर दें। कानून व्यवस्था बनाए रखने में आमजन का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। अपराध करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

करंट की चपेट में आई महिला, मौके पर मौत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र स्थित ग्राम हरदी कला में सोमवार सुबह करंट लगने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह रोज की तरह अपने घर के किचन में चाय बना रही थी। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया।

जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान आशा देवी रजक (40) के रूप में हुई है। सुबह चाय बनाते समय जैसे ही उन्होंने किचन

के टीन शेड को छुआ, उसमें प्रवाहित हो रहे करंट की चपेट में आ गईं। करंट का झटका इतना तेज था कि वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं।

परिजनों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और 112 की टीम ने महिला को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच में घर की वायरिंग में खराबी या करंट लीकेज की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

बिलासपुर में ढाबा संचालक गिरफ्तार, तलवार से किया हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के सकरी थाना क्षेत्र में एक ढाबा संचालक को गिरफ्तार किया गया है। उस पर बीच-बचाव करने आए ट्रक ड्राइवरों पर तलवार से हमला करने और उनके वाहन में तोड़फोड़ करने का आरोप है। आरोपी को रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

यह घटना संबलपुरी के पास खालसा ढाबा में हुई। ट्रेलर ड्राइवर मख्खन सिंह ने पुलिस को बताया कि वह 4 जुलाई की रात रायगढ़ से लोहा लोड कर पंजाब जा रहा था और रास्ते में ढाबे पर रुका था।

रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे मख्खन सिंह खाना खाने ढाबे की ओर जा रहे थे, तभी ढाबा संचालक हैप्पी का कुछ लोगों से विवाद हो रहा था। विवाद शांत कराने के लिए मख्खन सिंह के साथ सरदारा सिंह और ईशहाक खान भी वहां पहुंचे।

आरोप है कि बीच-बचाव करने पर हैप्पी भड़क गया और तीनों से गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद वह ढाबे से तलवार लेकर आया और सरदारा सिंह और ईशहाक खान पर तलवार के चपटे हिस्से से हमला कर दिया।

हमले में सरदारा सिंह की पीठ और ईशहाक खान के सिर में चोटें आईं। आरोपी ने मख्खन सिंह के ट्रेलर का शीशा भी तोड़ दिया और तीनों को तलवार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर सकरी पुलिस ने आरोपी हैप्पी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27 सहित भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 296, 324(4) और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है। उसे रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

राज ज्वेलर्स लूटकांड का खुलासा: दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में हुए कटघोरा राज ज्वेलर्स लूटकांड का पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने चोरी की मोटरसाइकिल और देशी कट्टे का इस्तेमाल किया था। तीनों आरोपी पहले हत्या, दुष्कर्म और अन्य गंभीर अपराधों में जेल जा चुके हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 1 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 1 बजे छुरीकला निवासी राजकुमार अग्रवाल अपनी राज ज्वेलर्स दुकान में अकेले मौजूद थे। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल से तीन लोग ग्राहक बनकर पहुंचे। तीनों ने गमछे से चेहरा ढंक रखा था, जिनमें एक आरोपी महिला के भेष में था। आरोपियों ने पहले चांदी की अंगूठी दिखाने के

बहाने दुकानदार को काउंटर तक बुलाया। इसके बाद एक आरोपी ने दुकान का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया, जबकि दूसरे ने देशी कट्टा निकालकर व्यापारी की छाती पर तान दिया और आंखों में मिर्च पाउडर डालने का प्रयास किया। इसी बीच तीसरा आरोपी बैग में आभूषण भरने लगा।

हालांकि बाहर लोगों की भीड़ जुटने पर तीनों आरोपी घबराकर मौके से फरार हो गए और देशी कट्टा तथा चोरी की मोटरसाइकिल घटनास्थल पर ही छोड़ गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का विश्लेषण किया और साइबर तकनीक व मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की।

जांच के दौरान जशपुर, पत्थलगांव, धरमजयगढ़, सीतापुर और अंबिकापुर सहित कई इलाकों में दबिश दी गई। पुलिस ने गोपाल सिंह गोंड (38) निवासी घुचापुर और परदेशी राठिया (40) निवासी जिलगा (बरपाली) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। वहीं तीसरा आरोपी विष्णु प्रसाद राठिया निवासी कोलगा अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि तीनों आरोपी पूर्व में हत्या, दुष्कर्म और अन्य गंभीर मामलों में जेल की सजा काट चुके हैं। जेल में ही उनकी आपस में दोस्ती हुई थी और रिहा होने के बाद उन्होंने मिलकर लूट की योजना बनाई। इसी योजना के तहत चोरी की मोटरसाइकिल और देशी कट्टे का इस्तेमाल कर राज ज्वेलर्स में लूट का प्रयास किया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्रं..../अ/6 वर्ष 2025-26)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ए. निर्मला आ./ध.प. ए. मरिया दास निवासी-सेक्टर 15 भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 944/1 का दुकड़ा रकबा 1645 वर्गफीट भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर दिनांक 24/6/2017 के आधार पर विक्रेता अवध राम / स्व. भोला से क्रय किया गया है, कि रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 21/07/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

कार्यालय कलेक्टर, दुर्ग (छ.ग.)

।। आदिवासी विकास शाखा ।।

फैक्स नं.-0788-2323655, ई-मेल-actwd.durg@gmail.com

क्रमांक/496/आ.जा.क./6/प्रयास/न.क्र./2026 — दुर्ग, दिनांक 02.07.2026

संक्षिप्त निविदा

प्रयास बालक/कन्या आवासीय विद्यालय दुर्ग एवं प्रयास बालक/कन्या आवासीय विद्यालय पिनकापार जिला बालोद के कक्षा 11वीं में Lateral Entry के माध्यम से प्रवेश हेतु सूचना का प्रकाशन (सत्र 2026-27)

प्रयास आवासीय विद्यालय योजना छत्तीसगढ़ शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना है. इस योजना का उद्देश्य नक्सल प्रभावित घोषित जिले एवं आदिवासी उपयोजना क्षेत्र में स्थित शासकीय/ अशासकीय शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु प्रारंभ से ही विशेष कोचिंग के माध्यम से तैयार कर सक्षम बनाया जाना है. इन प्रयास आवासीय विद्यालयों से प्रत्येक वर्ष काफी मात्रा में विद्यार्थी चयनित होकर उच्च संस्थानों में प्रवेशित होते हैं. प्रयास आवासीय विद्यालय में रिक्त सीट की जानकारी निम्नानुसार है:-

क्र.	प्रयास विद्यालय	संकाय	अजजा		पीवीटीजी		अजा		अपिव		सामान्य		अल्पसंख्यक		योग		कुल योग
			बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	बालक	कन्या	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
1	प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालय दुर्ग	बालक के लिए जीव विज्ञान तथा कन्या के लिए गणित संकाय निर्धारित है.	2	3	3	2	0	1	4	4	0	3	0	0	9	13	22
2	प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालय पिनकापार	गणित/ जीवविज्ञान	0	0	1	0	1	0	2	2	3	0	0	0	7	2	9

क्र.	प्रयास विद्यालय	संकाय	अनुसूचित जाति बालक	कुल योग
1	2	3	4	5
1	प्रयास (अजा) बालक आवासीय विद्यालय पाटन जिला दुर्ग	गणित/जीविज्ञान	53	53

इन रिक्त सीटों पर प्रवेश प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम से होगा. प्रश्न पत्र कक्षा 10वीं स्तर का होगा. परीक्षा में शामिल होने हेतु कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष ग्रेड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है साथ ही प्रदेश के संपूर्ण अनुसूचित क्षेत्र में स्थित शासकीय/ अशासकीय शालाओं से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी हो.

प्रवेश के संबंध में ऑफलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने हेतु महत्वपूर्ण तिथियां निम्नानुसार है:-

क्र.	विवरण	तिथि एवं समय
1	ऑफलाईन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभ तिथि	03/07/2026
2	ऑफलाईन आवेदन पत्र भर कर जमा करने की अंतिम तिथि	13/07/2026 (शाम 5:00 बजे तक)
3	प्राप्त आवेदन के पात्र/अपात्र की सूची का प्रकाशन	14/07/2026 (शाम 5:00 बजे तक)
4	प्रवेश पत्र जारी होने की तिथि	15/07/2026
5	प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा की तिथि	19/07/2026 दिन रविवार (प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक)
6	परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि	21/07/2026

1. आवेदक आवेदन का प्रारुप दिनांक 13.07.2026 तक प्रयास आवासीय विद्यालय मालवीय नगर चौक दुर्ग से प्राप्त कर सकते हैं तथा जिला दुर्ग की वेबसाईट https://durg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है.
2. आवेदक को निर्धारित प्रारुप में ही आवेदन दिनांक 13.07.2026 सायं 05:00 बजे तक प्रयास आवासीय विद्यालय मालवीय नगर चौक दुर्ग में पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर जमा करना होगा. निर्धारित तिथि एवं समय समाप्ति पश्चात् आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा.
3. दिनांक 14.07.2026 को पात्र/अपात्र की सूची जिला दुर्ग की वेबसाईट https://durg.gov.in पर देखा जा सकता है.
4. दिनांक 15.07.2026 को प्रवेश पत्र जिला दुर्ग वेबसाईट https://durg.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है या प्रयास आवासीय विद्यालय मालवीय नगर चौक दुर्ग में उपस्थित होकर प्राप्त किया जा सकता है. डाक से प्रवेश पत्र प्रेषित नहीं किया जावेगा.
5. दिनांक 21.07.2026 को परीक्षा परिणाम/ मेरिट सूची जिला दुर्ग वेबसाईट https://durg.gov.in में प्रदर्शित किया जावेगा. काउंसलिंग हेतु दूरभाष पर सूचना प्रदाय किया जावेगा.

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास, दुर्ग

G- 262701900/4

एलआईसी कार्यालय में सुरक्षाकर्मी ने की आत्महत्या

कोरबा। शहर के कलेक्टोरेट के समीप स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब कार्यालय के अंदर तैनात एक सुरक्षाकर्मी का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलते ही कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी और सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 25 वर्षीय विनोद सोनवानी निवासी आरा मशीन क्षेत्र के रूप में हुई है।पुलिस ने मौके से जांच के लिए कुछ आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। हालांकि, पुलिस ने फिलहाल इन सामग्रियों के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। सिविल लाइन थाना प्रभारी आस्था शर्मा ने बताया कि परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ करेगा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण- मुख्यमंत्री

103 करोड़ रुपये से अधिक के स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्यों का भूमिपूजन, 200 सीटर छात्रावास, कैंसर भवन विस्तार और आवासीय परिसर का होगा निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेगा। प्रदेश में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह परियोजनाएं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई प्रदान करेंगी तथा मरीजों, विद्यार्थियों और चिकित्सकों सभी को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास, कैंसर भवन के विस्तार तथा चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के आवासीय परिसर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछली बार मेडिकल कॉलेज आने पर विद्यार्थियों ने छात्रावास निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए आज उसके निर्माण की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया है और 'मोदी की गारंटी' को धरातल पर उतारा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए स्वस्थ छत्तीसगढ़ आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार का छत्तीसगढ़ को निरंतर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि डीएम कार्डियक कोर्स की स्वीकृति से लेकर अन्य स्वास्थ्य परियोजनाओं तक केंद्र सरकार ने हर मांग पर सकारात्मक सहयोग दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में छत्तीसगढ़ को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद) की भी सौगात मिलेगी, जिससे राज्य की समृद्ध औषधीय वनस्पतियों एवं आयुर्वेद को नई पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर लाखों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया है। उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सरगुजा से लेकर बस्तर तक प्रदेश के हर क्षेत्र में सेवाएं देने का संकल्प लें और केवल शहरों तक सीमित रहने की मानसिकता न रखें। उन्होंने कहा कि सरकार चिकित्सा शिक्षा के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना, छात्रावास एवं आधुनिक शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छात्रावास, कैंसर संस्थान विस्तार एवं अन्य अधोसंरचना परियोजनाएं चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से पहले एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहा है। राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति, नर्सिंग कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि, फिजियोथेरेपी कॉलेजों का विस्तार तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 10 एकड़ क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाले योग एवं नेचुरोपैथी अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर का निर्माण भी प्रगति पर है।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व में लंबित कोरबा, कांकेर एवं महासमुंद मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य प्रारंभ कराए हैं। बिलासपुर स्थित सिम्स का भी व्यापक उन्नयन किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि डीएम कार्डियक कोर्स प्रारंभ हो चुका है तथा जगदलपुर में जल्द ही छत्तीसगढ़ का दूसरा सबसे बड़ा हार्ट सेंटर स्थापित किया जाएगा।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रथम परियोजना के तहत 200 सीटर आधुनिक छात्र-छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाओं के साथ चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के लिए भी आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। दूसरी परियोजना के तहत कैंसर भवन का द्वितीय से छठे तल तक विस्तार किया जाएगा। लगभग 11 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में बनने वाले इस भवन में आधुनिक लैब, 64-64 बिस्तरों वाले वार्ड, सिंगल रूम, आईसीयू तथा अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर विकसित किए जाएंगे, जिससे कैंसर रोगियों को उच्च स्तरीय उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। तीसरी परियोजना के अंतर्गत छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास का विस्तार किया जाएगा, जिसमें अतिरिक्त कमरे, डॉरमेट्री, लाइब्रेरी, रिक्रिएशन हॉल तथा सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि छात्राओं को सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय वातावरण उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, सीजीएमएससी के चेयरमैन दीपक म्हस्के, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा रितेश अग्रवाल, पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी, अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर सहित जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, मेडिकल विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही का विष्णुभोग चावल बना जिले की नई पहचान

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने की मुक्तकंठ से सराहना, स्व-सहायता समूहों की मेहनत और स्थानीय कृषि परंपरा को बताया आत्मनिर्भरता का सशक्त मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले की पारंपरिक कृषि विरासत और ग्रामीण महिलाओं की मेहनत का प्रतीक विष्णुभोग चावल अब गौरेला-पेंड्रा-मरवाही की विशिष्ट पहचान के रूप में अपनी अलग पहचान बना रहा है। जिले के प्रवास पर पहुंचे कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब का स्वागत कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने जिले के प्रसिद्ध विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर किया। यह सम्मान केवल एक स्थानीय उत्पाद का नहीं, बल्कि जिले की समृद्ध कृषि परंपरा, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी प्रतीक बना।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. देवांगन ने मंत्री श्री खुशवंत साहेब को बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की महिलाएं

विष्णुभोग चावल का उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन कर रही हैं। अपनी प्राकृतिक सुगंध, उत्कृष्ट गुणवत्ता और पारंपरिक स्वाद के कारण यह चावल प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इससे ग्रामीण महिलाओं को नियमित आय का स्रोत मिलने के साथ-साथ स्थानीय किसानों को भी बेहतर बाजार उपलब्ध हो रहा है।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने विष्णुभोग चावल की सराहना करते हुए कहा कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही का विष्णुभोग चावल जिले की समृद्ध कृषि संस्कृति और महिला स्व-सहायता समूहों की लगन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि क्षेत्रीय पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का प्रभावी माध्यम भी है। ऐसे उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने और उनकी ब्रांडिंग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि किसानों और महिला समूहों की आय में निरंतर वृद्धि हो तथा जिले की विशिष्ट पहचान और अधिक मजबूत हो सके।

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने इस अवसर पर हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी को भी विष्णुभोग चावल का पैकेट भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने जिले की इस विशिष्ट कृषि उपज, महिला स्व-सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियों तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी साझा की। जिले में विष्णुभोग चावल को बढ़ावा देने की पहल स्थानीय किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों और प्रशासन के समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

परशुराम तिवारी को मिली निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राई साइकल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में जनदर्शन आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के जनदर्शन कार्यक्रम में 80 प्रतिशत दिव्यांगता से जूझ रहे प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम बगडा कोटेया निवासी परशुराम तिवारी को जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल से निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राई साइकल उपलब्ध कराई गई, जिससे उनके जीवन में नई उम्मीद का संचार हुआ है।

प्रत्येक सोमवार को आयोजित जनदर्शन में आज कुल 85 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

इसी दौरान परशुराम तिवारी ने आवागमन में हो रही कठिनाइयों को लेकर मोटराइज्ड ट्राई साइकल उपलब्ध कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत

किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद विभाग ने बिना विलंब के उन्हें निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राई साइकल प्रदान की।

समाज कल्याण विभाग के अनुसार परशुराम तिवारी 80 प्रतिशत दिव्यांगता की श्रेणी में आते हैं और लंबे समय से आवागमन संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। मोटराइज्ड ट्राई साइकल मिलने से अब उनके दैनिक कार्यों के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी भी सुगम हो सकेगी। सहायता प्राप्त होने पर परशुराम तिवारी ने जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से उनके जीवन में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे अधिक स्वतंत्रता के साथ अपने कार्य कर सकेंगे। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचे, ताकि वे आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें।

बिहान से जुड़ी महिलाओं के परिवारों को मिला संबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़े परिवारों के लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना कठिन समय में आर्थिक सहारा बन रही है। सोमवार को जिला पंचायत कांकेर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने योजना के तहत चार मृतक हितग्राहियों के नामांकित परिजनों को बीमित राशि के चेक प्रदान किए।

बीमा राशि कांकेर विकासखंड के ग्राम मनकेशरी निवासी भूपेश देवांगन और पवन पटेल तथा ग्राम बारदेवरी निवासी रामेश्वरी पटेल और तेजसिंह दनेलिया के निधन के बाद उनके नॉमिनी को प्रदान की गई। बिहान मिशन के पीआरपी

और एफएलसीआरपी ने तत्परता से बीमा दावा तैयार कर संबंधित बैंकों के माध्यम से प्रक्रिया पूरी कराई, जिसके बाद दावा स्वीकृत होने पर राशि का भुगतान किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 में कांकेर विकासखंड में अब तक प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के 9 बीमा दावों का सफलतापूर्वक निपटारा कर संबंधित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है।

नक्सल पीड़ित परिवार के देवा मंडावी को मिली शासकीय नौकरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण / पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 नक्सल प्रभावित परिवारों के जीवन में नई उम्मीद लेकर आई है। इसी नीति के तहत दंतेवाड़ा जिले के नक्सल पीड़ित परिवार के सदस्य देवा मंडावी को शासकीय सेवा में नियुक्ति दी गई है। देवा मंडावी, ग्राम धुरवापारा, अरनपुर के निवासी हैं। उनके पिता स्वर्गीय बुधरा मंडावी नक्सल हिंसा से प्रभावित थे। देवा मंडावी को कलेक्टर कार्यालय , जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में भृत्य के पद पर नियुक्त किया गया है।

बंदूक नहीं, अब स्टेयरिंग पर है भरोसा

सुकमा के पुनर्वासित युवा लिख रहे नई जिंदगी की कहानी, ड्राइविंग प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी हिंसा और भय के साये में जिंदगी बिताने वाले सुकमा के पुनर्वासित युवाओं की जिंदगी अब नई दिशा पकड़ रही है। हाथों में बंदूक की जगह अब वाहन की स्टेयरिंग है और आंखों में बेहतर भविष्य के सपने। जिला प्रशासन और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) की पहल से 31 पुनर्वासित युवा एलएमवी (लाइट मोटर व्हीकल) ऑनर ड्राइवर प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बनने की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

13 जून से 12 जुलाई तक चल रहे 30 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में युवाओं को केवल वाहन चलाना ही नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा, यातायात

नियम, रोड संकेतों की जानकारी और वाहन की मूलभूत मरम्मत का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा होने पर जिला प्रशासन सभी प्रतिभागियों का ड्राइविंग लाइसेंस भी बनवा रहा है, ताकि वे तुरंत रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ सकें। प्रशिक्षणार्थी सोड़ी सोमड़ी कहती हैं कि इस प्रशिक्षण ने उनके भीतर आत्मविश्वास जगाया है और अब उन्हें सम्मानजनक जीवन की नई उम्मीद दिखाई दे रही है। वहीं पुनेम ज्योति का कहना है कि ड्राइविंग कौशल उनके लिए भविष्य में आजीविका का मजबूत आधार बनेगा। कलेक्टर अमित कुमार के अनुसार, पुनर्वासित युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। आरसेटी की यह पहल साबित कर रही है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलें तो हालात चाहे कितने भी कठिन क्यों न हों, बदलाव की राह हमेशा खुली रहती है। आज इन युवाओं की स्टेयरिंग पर मजबूत पकड़ केवल गाड़ियों को नहीं, बल्कि उनके जीवन को भी नई मंजिल की ओर ले जा रही है।

रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग मानव कल्याण के लिए हो-राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित प्रणवानंद अकादमी में रोबोटिक्स लैबोरेट्री का लोकार्पण किया। इस लैबोरेट्री की स्थापना के लिए राज्यपाल द्वारा अपने स्वेछानुदान मद से राशि प्रदान की गई है । इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने संबोधन ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स जैसे तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाते है। लेकिन आधुनिक तकनीक तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग मानव जीवन के कल्याण और समाज के विकास के लिए किया जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान केवल उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों से नहीं होती, बल्कि ऐसे विद्यार्थियों से होती है जो ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दें। प्रणवानंद अकादमी शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण को भी समान महत्व देती है यह प्रसन्नता का विषय है। राज्यपाल ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोबोटिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकें विश्व को नई दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों को भी आत्मसात करना चाहिए। कोई भी नया आविष्कार या नवाचार मानवता के हित में होना चाहिए। मानव पर खुद का नियंत्रण होना चाहिए न कि कोई तकनीक उसे नियंत्रित करे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों का संदेश देते हुए कहा कि जीवन में संतोष का विशेष महत्व है। हमें जो प्राप्त है, उसमें प्रसन्न रहना सीखना चाहिए तथा कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में उतार-चढ़ाव एवं चुनौतियाँ आती हैं, लेकिन गिरने के बाद फिर से उठना और आगे बढ़ना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमें क्या दिया, यह सोचने के बजाय हमें यह विचार करना चाहिए कि हम समाज को क्या दे सकते हैं। समाज के प्रति सेवा, सहयोग, संवेदनशीलता और पड़ोसियों के प्रति आत्मीयता की भावना हमारे जीवन में आनंद लाता है।

कार्यक्रम में अकादमी के अध्यक्ष स्वामी शिवरूपानंद ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा प्राचार्य नीति यदुवंशी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950